श्रमसाधना

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

हम बनेंगे आपकी आवाज
स्कैन करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmai.com | www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष : 38, अंक : 60 ग्वालियर, बुधवार 30 सितंबर 2026
विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन
L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री ने अभियान की समीक्षा कर अधिकारियों को दिए निर्देश, गांवों में 3 और शहरों में 4 अक्टूबर को शिविर

सेवा संकल्प अभियान में अब तक करोड़ों की भागीदारी, 3-4 अक्टूबर को लगेंगे सेवा सेतु शिविर

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से शुरू हुए एक माह के सेवा संकल्प अभियान-2026 के तहत प्रदेश में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने मंगलवार को मंत्रालय में अभियान की समीक्षा कर आगामी कार्यक्रमों की जानकारी ली और अधिकारियों को गतिविधियों को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए। बैठक में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल सहित मंत्रीगण और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जबकि कई मंत्री और जिला स्तरीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

ग्वालियर से कलेक्टर रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत सहित विभागीय अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

3 और 4 अक्टूबर को सेवा सेतु शिविर : अभियान के तहत 3 और 4 अक्टूबर को सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। 3 अक्टूबर को ग्रामीण क्षेत्रों और 4 अक्टूबर को नगरीय क्षेत्रों में शिविर लगाकर नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया की जाएगी। 3 अक्टूबर के शिविरों के साथ साप्ताहिक जन विश्वास अभियान को भी जोड़ा जाएगा। अधिकारियों को पात्र हितग्राहियों का चयन कर योजनाओं का लाभ दिलाने और शिविरों में प्राप्त आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

आशीर्वाद का दीया से हुई शुरुआत : सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को 'आशीर्वाद का दीया' गतिविधि से हुई। अभियान के अनुसार प्रदेश में 3 करोड़ 87 लाख 80 हजार 463 दीप प्रज्वलित किए गए और 2 करोड़ 64 लाख 85 हजार 60 नागरिकों ने सहभागिता की। उज्जैन में 33 लाख 27 हजार 125 दीप जलाए गए।

चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता में लाखों की भागीदारी : 'मेरे सपनों का भारत' अभियान के तहत 19 से 26 सितंबर के बीच चित्रकला और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। चित्रकला में 27 लाख 28 हजार 668 और भाषण प्रतियोगिता में 12 लाख 37 हजार 810 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

नमो सेवा में 3 हजार से ज्यादा कार्यक्रम : 19 सितंबर से शुरू हुई 'नमो सेवा' गतिविधि के तहत सांस्कृतिक दलों द्वारा नुक्कड़ प्रस्तुतियां दी जा रही हैं। अब तक 3,033 कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें 5,208 कलाकारों ने भाग लिया है। यह गतिविधि 5 अक्टूबर तक चलेगी।

आंगन मिलन में 24 लाख से अधिक की भागीदारी : 26 सितंबर से शुरू 'आंगन मिलन सेवा' गतिविधि के तहत आंगनबाड़ियों में 24 लाख 28 हजार 116 महिलाओं और बच्चों ने भागीदारी की है। इस दौरान 1 लाख 35 हजार 110 महिलाओं का सम्मान किया गया। यह गतिविधि 5 अक्टूबर तक चलेगी।

सेवा की कहानी में 5.25 लाख प्रेरक कहानियां : 'सेवा की कहानी' प्रकल्प के तहत प्रदेश से अब तक 5 लाख 25 हजार 54 प्रेरक कहानियां प्राप्त हुई हैं। यह गतिविधि 17 सितंबर से शुरू होकर 17 अक्टूबर तक चलेगी।

वड़नगर से वाराणसी सेवा यात्रा : 17 सितंबर से शुरू वड़नगर से वाराणसी सेवा यात्रा के तहत अब तक 1,706 नगरों और कस्बों में कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इनमें 6 लाख 48 हजार 520 नागरिकों की सहभागिता बताई गई है। यह गतिविधि 7 अक्टूबर तक चलेगी।

सेवा मेरा योगदान में होंगे सेवा कार्य : 2 से 10 अक्टूबर तक 'सेवा मेरा योगदान' के तहत स्वच्छता, स्वास्थ्य शिविर, वृद्धाश्रम और अनाथालयों में सेवा कार्य किए जाएंगे। दिव्यांगजन एवं विद्यार्थी कल्याण से जुड़ी गतिविधियां भी आयोजित होंगी।

इसके अलावा छह जिलों–इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, झाबुआ और आलीराजपुर–में निर्धारित विषय पर मानव रंगोली की योजना है। 7 अक्टूबर को सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली जाएगी। अभियान के तहत विकसित भारत संकल्प यात्रा भी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियों के साथ जारी रहेगी।

एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले भारतीय मुक्केबाजों और तीरंदाजों को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

भोपाल जीएनएस

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एशियन गेम्स-2026 में पदक जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों को बधाई दी है। उन्होंने पुरुष 90 किलोग्राम बॉक्सिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाले कपिल पोखरिया और महिला 60 किलोग्राम बॉक्सिंग स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल करने वाली प्रिया घंघास को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दोनों मुक्केबाजों की मेहनत और खेल भावना सराहनीय है। उनकी उपलब्धियां देश के युवा मुक्केबाजों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने दोनों खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. यादव ने एशियन गेम्स में तीरंदाजी की कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले कुशल दलाल, साहिल राजेश जाधव और गणेश मणिरत्नम तिरुमुरु को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय तीरंदाजों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश का मान बढ़ाया है।

मुख्य आरोपी समेत तीन गिरफ्तार, डबरा सहित अन्य थाना क्षेत्रों और दूसरे राज्यों से बाइक चोरी करना कबूला

डबरा में वाहन चोर गिरोह का खुलासा, 19 चोरी की बाइक बरामद

ग्वालियर जीएनएस

डबरा सिटी पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए एक शातिर वाहन चोर और उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की 19 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इनमें डबरा सिटी थाना क्षेत्र के साथ अन्य थाना क्षेत्रों और दूसरे राज्यों से चोरी की गई मोटरसाइकिलें शामिल हैं। आरोपियों से अन्य वाहन चोरियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और चोरी के वाहन बरामद करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर के निर्देशन और डबरा एसडीओपी सौरभ कुमार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी डबरा सिटी उप निरीक्षक संजय शर्मा ने पुलिस टीम गठित की।

28 सितंबर को पुलिस को सूचना मिली कि मॉडल स्कूल के पास एक व्यक्ति सस्ते दाम पर मोटरसाइकिल बेचने की बात कर रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो संदिग्ध व्यक्ति भागने लगा। घेराबंदी कर उसे पकड़कर पूछताछ की गई। उसने अपना नाम मोहित पटेल (26) निवासी ग्राम उजियापुरा, थाना पूंछ, जिला झांसी, उत्तर प्रदेश, हाल नारायण बिहार कॉलोनी, गोले का मंदिर, ग्वालियर बताया।

पूछताछ में मोहित ने कुछ माह पहले डबरा रेलवे स्टेशन के टिकट घर के पास से स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। उसने अन्य 15 मोटरसाइकिलें भी अलग-अलग थाना क्षेत्रों और दूसरे राज्य से चोरी कर मॉडल स्कूल के पीछे सिंध नदी के बीहड़ में झाड़ियों में छिपाकर रखना बताया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर कुल 16 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इनमें सात स्प्लेंडर प्लस, पांच हीरो एचएफ डीलक्स, दो टीवीएस अपाचे और एक हीरो पैशन प्रो सहित डबरा सिटी थाने के अपराध क्रमांक 314/26 में चोरी गई स्प्लेंडर प्लस मोटरसाइकिल शामिल है।

पुलिस ने मोहित से अन्य मामलों में पूछताछ की तो उसने अपराध क्रमांक 372/26, 526/26 और 569/26 में तीन मोटरसाइकिलें चोरी करना स्वीकार किया।

कार्डियोलॉजी विभाग ने हृदय रोगों के प्रति लोगों को किया जागरूक, कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग शुरू करने की जानकारी दी

जयारोग्य चिकित्सालय में मनाया विश्व हृदय दिवस

ग्वालियर जीएनएस

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के जयारोग्य चिकित्सालय समूह के कार्डियोलॉजी विभाग में विश्व हृदय दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को हृदय रोगों के प्रति जागरूक करना और हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी देना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना तथा जयारोग्य चिकित्सालय समूह के प्रबंधक डॉ. अनिल मेवाफरोश उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. पुनीत रस्तोगी ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गौरवकवि भार्गव ने किया, जबकि आभार डॉ. राम मरावत ने व्यक्त किया।

अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने अपने संबोधन में भविष्य में शुरू होने वाले कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग की जानकारी दी। उन्होंने विभाग के चिकित्सकों एवं कर्मचारियों को समर्पित भाव से कार्य करने और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित किया।

विभागाध्यक्ष डॉ. पुनीत रस्तोगी ने कहा कि चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य मरीज हित में कार्य करना है। उन्होंने 'नर सेवा ही नारायण सेवा' की भावना के साथ मरीजों की सेवा करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ चिकित्सक, नर्सिंग अधिकारी एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे। चिकित्सकों ने हृदय रोगों से बचाव के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित खानपान, व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समय रहते चिकित्सकीय परामर्श लेने का संदेश दिया गया।

कहानी बदलाव की: पीएमएफएमई योजना से संवरा मुकेश का भविष्य, 'कार्तिक ऑयल मिल' स्थापित कर बने आत्मनिर्भर

शिवपुरी, जीएनएस। सफलता की राहें तब आसान हो जाती हैं जब मेहनत को सही दिशा और शासकीय योजनाओं का संबल मिल जाए। कुछ ऐसी ही कहानी है शिवपुरी निवासी श्री मुकेश राठौर की, जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद हार नहीं मानी और आज अपनी मेहनत तथा शासन की महत्वाकांक्षी योजना के बल पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम की है। फतेहपुर रोड, नई पुलिस लाईन के पास रहने वाले मुकेश राठौर स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर समाज में मान-सम्मान के साथ जीवन यापन कर रहे हैं।

पीएमएफएमई योजना से मिला संबल

अपने व्यवसाय को शुरू करने के लिए श्री मुकेश राठौर को उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना से एक नया मार्ग मिला। उद्यानिकी विभाग के डीआरपी श्री गिर्राज ओझा के माध्यम से उन्हें इस योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। योजना के अंतर्गत उन्हें ''कार्तिक ऑयल मिल'' स्थापित करने हेतु बैंक से 9 लाख रुपए का ऋण स्वीकृत हुआ, साथ ही शासन की ओर से 3.50 लाख रुपए की बड़ी सब्सिडी का लाभ भी मिला।

व्यवसाय का विस्तार और आमदनी में वृद्धि

प्राप्त वित्तीय सहायता और सही मार्गदर्शन से श्री मुकेश राठौर ने ''कार्तिक ऑयल मिल'' की शुरुआत की। आधुनिक तकनीकों और मशीनों का उपयोग कर उन्होंने शुद्ध तेल उत्पादन का कार्य शुरू किया। तेल पेराई के बाद निकलने वाली 'पीना' (खली) को भी विक्रय कर वे अतिरिक्त लाभ कमा रहे हैं। सही प्रबंधन और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद के कारण उनका व्यापार तेजी से बढ़ा और आज वे इस इकाई से प्रतिमाह लगभग 50 हजार रुपए तक की शुद्ध आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

दूसरों को भी दे रहे हैं रोजगार

श्री मुकेश राठौर आज न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सशक्त हुए हैं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व को समझते हुए दूसरों के लिए भी मददगार साबित हो रहे हैं। वे अपनी ऑयल मिल में 2 से 3 अन्य स्थानीय युवाओं को भी नियमित रोजगार प्रदान कर रहे हैं, जिससे उनके परिवारों का जीवनयापन भी सुचारू रूप से चल रहा है। इस प्रकार वे दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गए हैं।

प्रधानमंत्री जी और उद्यानिकी विभाग का जताया आभार

अपनी इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए श्री मुकेश राठौर बताते हैं कि ''पीएमएफएमई योजना मेरे जीवन के लिए वरदान साबित हुई है। इस योजना ने मेरे आत्मनिर्भर बनने के सपने को साकार किया है।'' इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री जी एवं उद्यानिकी विभाग का हृदय से बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार व्यक्त किया है।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर दो दिवसीय आयोजन 1 व 2 अक्टूबर को

ग्वालियर, जीएनएस। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के पावन अवसर पर एसोसिएशन ऑफ ग्वालियर यूथ सोसायटी द्वारा ÷स्वच्छता ही सेवा - आओ मिलकर बापू के सपनों को साकार करें÷ थीम पर विशेष दो दिवसीय आयोजन किया जा रहा है।

संस्था के अध्यक्ष संजय कट्ठल ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य नई पीढ़ी को बापू के स्वच्छता, सत्य और अहिंसा के विचारों से जोड़ना है। यह आयोजन पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

कार्यक्रम विवरण–

1 अक्टूबर - चित्रांकन प्रतियोगिता 7 समय– सुबह 9 बजे से

- वर्ग अ (5-8 साल) – विषय - अपना मनपसंद कुछ भी
- वर्ग ब (9-14 साल) – विषय - स्वच्छ भारत
- वर्ग स (15 साल से ऊपर) – विषय - स्वच्छ भारत

2 अक्टूबर - फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता 7 समय– सुबह 10 बजे से

- आयु वर्ग 4-14 साल – विषय - महापुरुष

आयोजन की विशेषताएं–

1. इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भेंट किया जायेगा।
2. आयोजन में विजेता एवं उप विजेता को आकर्षक पुरस्कारों से पुरस्कृत किया जाएगा।
3. चित्रांकन प्रतियोगिता के लिए ड्राइंग शीट प्रतियोगिता स्थल पर निःशुल्क वितरित की जायेगी।

ग्वालियर के सभी स्कूलों एवं अभिभावकों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में बच्चों को इस रचनात्मक आयोजन में भागीदारी कराएं।

पुरानी रंजिश से लाठी डंडो से हत्या की नीयत से मारपीट करने वाले फरार आरोपी को थाना गोराघाट पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस अधीक्षक दतिया श्री मयूर खंडेलवाल के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री मंजीत सिंह चावला एवं इंचार्ज एसडीओपी बड़ौनी आकांक्षा जेन के मार्गदर्शन में थाना गोराघाट पुलिस द्वारा हत्या के मामले में फरार आरोपी अंकित रावत पुत्र भगवंती रावत उम्र 25 साल निवासी ग्राम गढी को गिरफ्तार किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण–

दिनांक 21.09.2026 के सुबह करीब 08 बजे आरोपी अंकित रावत द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश पर से अपने गाँव के ही मान सिंह रावत की हत्या की नीयत से लाठी डंडो से मारपीट कर दी थी जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी हत्या के उपरांत मान सिंह के दोनों हाथ पैर बाँधकर बड़ी माता मंदिर के पीछे झाड़ियों में फैंक दिया था। घटना के संबंध में थाना गोराघाट में अपराध क्रमांक 170/26, धारा 103(1), 190, 191(2), 191(3) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में फरार आरोपी अंकित रावत को सोनागिर तिराहा से गिरफ्तार किया, आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाली एक लकड़ी का डडां महेन्द्र रावत के घर के पीछे झाड़ियों से निकालकर निकला, जिसे विधिवत जप्त किया गया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रकरण में अन्य आरोपियों की तलाश एवं विवेचना जारी है।

सराहनीय भूमिका–

निरीक्षक विनीत तिवारी थाना प्रभारी गोराघाट, सउनि. मान सिंह, आर. अनूज गुर्जर, आर.राकी रावत, आर. राघवेन्द्र शर्मा, आर.राजकुमार पालिया, आर.अनिलकांत कुशवाह, प्रआर.चालक कैलाश मांझी की आरोपी की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका रही।

विकसित भारत 2047 के लिए रोजगार ढांचे को मजबूत बनाने पर राष्ट्र स्तरीय कार्यशाला

नई दिल्ली। NFPRC फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर के गुलमोहर हॉल में 'विकसित भारत 2047' के लिए भारत के रोजगार ढांचे को मजबूत बनाने के उद्देश्य से राष्ट्र स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में सेंवढ़ा विधायक प्रदीप अग्रवाल भी सम्मिलित हुए।

कार्यशाला में देश की अर्थव्यवस्था एवं रोजगार व्यवस्था को मजबूत बनाने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को साकार करने के लिए आवश्यक प्रयासों पर चर्चा हुई।

कार्यशाला में विकसित भारत 2047 के विजन को धरातल पर उतारने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने, कौशल विकास को बढ़ावा देने तथा देश के विकास में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर विचार रखे गए।

विधायक प्रदीप अग्रवाल ने कार्यशाला में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों और रोजगारपरक नीतियों की आवश्यकता पर चर्चा में सहभागिता की।

लहार–हीरापुरा की वैभवी सिंह राजावत का राष्ट्रीय बास्केटबॉल चैंपियनशिप में चयन

मध्य प्रदेश की अंडर-14 टीम के प्लेइंग फाइव में मिली जगह, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में करेंगी प्रदेश का प्रतिनिधित्व..

ग्वालियर, जीएनएस। लहार, हीरापुरा की होनहार एवं प्रतिभावान बास्केटबॉल खिलाड़ी वैभवी सिंह राजावत ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वैभवी का चयन 51वीं सब-जूनियर अंडर-14 नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप-2026 के लिए मध्य प्रदेश की टीम में हुआ है। विशेष बात यह है कि वैभवी का चयन टीम के प्लेइंग फाइव में हुआ है।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप 27 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश में आयोजित की जा रही है। इस प्रतियोगिता में वैभवी मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। लहार, हीरापुरा गांव से ताल्लुक रखने वाली वैभवी वर्तमान में ग्वालियर में निवास करती हैं। वह डॉ. अखिलेश सिंह एवं डॉ. कुसुम सिंह की पुत्री हैं। कम उम्र में ही वैभवी ने बास्केटबॉल के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, लगन और निरंतर मेहनत से अलग पहचान बनाई है।

वैभवी की खेल प्रतिभा को हाल ही में एक और महत्वपूर्ण सम्मान मिला, जब उन्हें ÷गालव उत्कृष्ट खेल रत्न पुरस्कार÷ से सम्मानित किया गया। लगातार मिल रही इन उपलब्धियों से उनके परिवार के साथ-साथ लहार, हीरापुरा एवं पूरे क्षेत्र में खुशी और गर्व का माहौल है। वैभवी के मध्य प्रदेश की टीम में चयन पर परिजनों, ग्रामीणों, खेलप्रेमियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि वैभवी राष्ट्रीय स्तर पर अपने शानदार खेल प्रदर्शन से मध्य प्रदेश, ग्वालियर और अपने गांव लहार, हीरापुरा का नाम रोशन करेंगी।

निगम अमले ने हटाये बिना अनुमति लगे पोस्टर, बैनर

ग्वालियर। शहर में अवैध रूप से लगे पोस्टर, बैनर एवं कटाउट को हटाने की कार्यवाही आज नगर निगम के अमले द्वारा की गई। मदाखलत अधिकारी श्री शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुये बताया कि अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के निर्देश पर निगम के अमले द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अवैध रूप से लगे पोस्टर, बैनर हटाने के कार्यवाही की गई जिसमें चेतकपुरी से माण्डरे की माता रोड़ तक एवं न्यू हाईकोर्ट रोड एवं तानसेन होटल तक अवैध रूप से लगे कटआउट, पोस्टर, बैनर हटाये गये। अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने नागरिकों से अपील की, कि बिना अनुमति पोस्टर, बैनर एवं कटआउट ना लगाये अन्यथा नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी।

सेवा-संकल्प अभियान के तहत 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक होंगे कार्यक्रम

कलेक्टर ने अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रमों के संबंध में अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। सेवा-संकल्प अभियान के तहत 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इनमें स्वच्छता ही सेवा, वृक्षारोपण अभियान, योग एवं ध्यान सत्र, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा जागरूकता, नशामुक्ति अभियान, वोकल फॉर लोकल, वीरगाथा एवं सैनिक सम्मान, शासकीय योजनाओं के प्रति जागरूकता अभियान तथा अनाथालय एवं वृद्धाश्रमों का भ्रमण शामिल है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सेवा-संकल्प अभियान के तहत 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियों के संबंध में विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। इस अभियान के तहत शहरी क्षेत्र में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिये नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सोजान सिंह रावत नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

अभियान के तहत 2 अक्टूबर को शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम के तहत नगरीय क्षेत्र में और जिले की सभी जनपद पंचायत स्तर पर स्वच्छता के कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इसके साथ ही वन विभाग के माध्यम से वृहद वृक्षारोपण का कार्य भी सम्पूर्ण जिले में आयोजित होगा। 3 अक्टूबर को आयुष विभाग एवं संस्कृति विभाग के माध्यम से योग एवं ध्यान सत्र का आयोजन किया जायेगा। 4 अक्टूबर को पुलिस विभाग के माध्यम से सायबर सुरक्षा के संबंध में कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

सेवा-संकल्प अभियान के तहत 5 अक्टूबर को पुलिस विभाग एवं परिवहन विभाग के माध्यम से सड़क सुरक्षा जागरूकता के लिये कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। 6 अक्टूबर को पुलिस विभाग, सामाजिक न्याय विभाग और शिक्षा विभाग के माध्यम से नशा मुक्ति अभियान के तहत शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में कार्यक्रमों का आयोजन होगा। 8 अक्टूबर को उद्योग विभाग के माध्यम से वोकल फॉर लोकल की थीम पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। 8 अक्टूबर को ही पुलिस एवं सैनिक कल्याण बोर्ड के माध्यम से वीरगाथा एवं सैनिक सम्मान कार्यक्रम का आयोजन होगा। जिले में 9 अक्टूबर को नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास और जनसंपर्क विभाग के माध्यम से शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रति जन जागरूकता का अभियान चलाया जायेगा। इसके साथ ही 10 अक्टूबर को सामाजिक न्याय एवं स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से जिले में संचालित सभी अनाथालय एवं आश्रमों का भ्रमण कर वहां रह रहे वृद्धजनों से भेंट और उनके स्वास्थ्य का परीक्षण भी किया जायेगा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने सेवा-संकल्प अभियान के तहत 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों को व्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित करने के संबंध में निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि सभी आयोजनों में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ-साथ गणमान्य नागरिकों की भी सहभागिता हो, यह सुनिश्चित किया जाए।

राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा जिले के पाँच स्कूलों के उन्नयन का कार्य 91 लाख रुपए से अधिक राशि से पूर्ण किया जायेगा

स्कूलों के उन्नयन का कार्य समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए-कलेक्टर

ग्वालियर, जीएनएस। समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत जिले के पाँच शासकीय विद्यालयों में 91 लाख 25 हजार रुपए की लागत से शालाओं का जीर्णोद्धार कार्य किया जायेगा। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा इसके लिये राशि मंजूर की गई है।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा जिले के पाँच स्कूलों के निर्माण के लिये जो स्वीकृति प्रदान की है उसके तहत भितरवार विकासखंड के शासकीय प्राथमक विद्यालय गड़ाजर में 18 लाख 25 हजार रुपए, घाटीगांव के विकासाखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय डांडाखिड़क में 18 लाख 25 हजार रुपए, घाटीगांव के ही शासकीय प्राथमिक विद्यालय मंगूपुरा में 18 लाख 25 हजार रुपए, मुरार विकासखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय चककेशवपुर में 18 लाख 25 हजार रुपए एवं घाटीगांव के शासकीय प्राथमिक विद्यालय समराई विद्यालय में 18 लाख 25 हजार रुपए की राशि से निर्माण कार्य किया जायेगा। उक्त राशि से भवन के निर्माण के साथ-साथ शाला भवन को व्यवस्थित करने के लिये कार्य किए जायेंगे।

कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को निर्देशित किया है कि राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा स्कूलों के उन्नयन के लिये स्वीकृत की गई राशि का समय रहते उपयोग हो और गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य की भी मॉनीटरिंग की जाए। निर्माण एजेंसी को भी निर्देशित किया गया है कि निर्धारित समय से पहले पूर्ण गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य पूर्ण हों।

मदाखलत ने अवैध निर्माण व भैंस डेयरी कराई बंद

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं मुख्य मार्गो को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मदाखलत दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हाथ ठेले, फुटपाथी फड़, दुकानों के बाहर रखा सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटवाया।

जिसके तहत आज मदाखलत अधिकारी श्री शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में पूर्व विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत लोहिया बाजार में पीपल वाली गली के अंदर जॉन 12 चल रहे अवैध निर्माण कार्य को बंद कराया गया। इसके पश्चात मुरार शमशान घाट के पास बैंक कॉलोनी गोले का मंदिर क्षेत्रीय कार्यालय 10 के जोनल ऑफिसर के साथ मिलकर अवैध रूप से बन रही मल्टी का सामान, सरिया, बंडल, सेटिंग प्लेटें जप्त कर निर्माण कार्य को बंद करवाया तथा जप्त सामान को मदाखलत कार्यालय पर जमा कर कार्यवाही की। साथ ही शताब्दीपुरम क्षेत्र में अवैध रूप से बांधी गई भैंसे हटवाई गई एवं खूंटे और खाने की हौदी तोड़ी गई तथा जगह को जेसीबी की मदद से समतल कराया गया। कार्यवाही के दौरान क्षेत्राधिकारी श्री राजेश भदौरिया सहायक स्वास्थ अधिकारी श्रीदीपांशु करोसिया, मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सिसोदिया व दल पूर्व उपस्थित रहा। इसके साथ ही मदाखलत अधिकारी श्री सतेंद्र सिंह भदौरिया के निर्देशन में महाराज बाड़ा अंतर्गत सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, एसबीआई बैंक, हेमू चौक, छापाखाना, स्काउट, गाँधी मार्केट के मुख्य मार्गे से हाथ ठेले, फुटपातियों के फड़ को हटवाया जाकर मुख्य मार्ग क्लियर करवाया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री आजाद खान सहित दल दक्षिण मौके पर उपस्थित रहा।

मदाखलत अधिकारी श्री रवि कुमार कोरी के निर्देश में गालव नगर, चौबीस बीघा, बहोडापुर वार्ड क्र-04 में भवन निर्माण सामग्री सडक पर पड़ी बजरी, गिट्टी, ईट एवं बिल्डिंग मटेरियल सामग्री को जे.सी.बी मशीन की सहायता से डम्फर में रखवा कर जप्त करवाने की कार्यवाही की गई।एवं सम्बन्धित भवन स्वामी को भविष्य में नियमानुसार अनुमति उपरान्त ही निर्माण कार्य करने की हिदायत दी गई। इसके साथ ही हजीरा चौराहा, किलागेट रोड, चार शहर का नाका रोड, इंटक मैदान रोड़ सहित विभिन्न स्थानो पर खड़े यातायात में बाधक हाथ ठेलों, सडक पर रखे सामानों एवं अन्य अस्थाई अतिक्रमण को राउन्ड लगाकर हटवाकर हाथ ठेलो को हॉकर्स जोन के अन्दर भिजवाकर अवागमन मार्ग क्लियर करवाया गया।

मुख्य मार्गों पर कराई पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर, जीएनएस। बरसात में खराब हुई सड़कों पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए पेंच रिपेयरिंग का कार्य निरंतर किया जा रहा हैं। सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज सुरेश नगर थाटीपुर अजय शर्मा जी वाली गली में, दीनदयाल नगर लक्ष्मीपुरम, आयुर्वेदिक कॉलेज के पास माडरे की माता, ग्राम जिरैना में, वैष्णो धाम कॉलोनी, अमेटी यूनिवर्सिटी रोड पर, टीपीटी लाइन मोहनपुर, अनुपम नगर सिटी सेंटर, फ्लोरा सिटी रोड पर, सिद्धेश्वर नाना नगर, हरीखेडा गांव नियर आरटीओ ऑफिस, दीनदयाल नगर सेक्टर- ए माता मंदिर कैंपस, हुरावली गांव, रजवाड़ा गार्डन के पास, पटेल नगर सिटी सेंटर सहित अन्य मुख्य मार्गो पर पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

दीपावली पर अस्थायी आतिशबाजी दुकानों के लिए 5 से 14 तक लिए जाएंगे आवेदन

ग्वालियर, जीएनएस। दीपावली त्यौहार के अवसर पर ग्वालियर जिले में विगत वर्षों की भाँति नगर निगम ग्वालियर सीमा क्षेत्र अंतर्गत ग्वालियर व्यापार मेला प्रांगण तथा अनुभाग डबरा, भितरवार व घाटीगांव में अनुविभागीय दण्डाधिकारी द्वारा चयनित स्थलों पर अस्थायी आतिशबाजी लायसेंस की दुकानों के लिये एक निश्चित अवधि के लिये अस्थायी लायसेंस दिए जायेंगे। अपर जिला दण्डाधिकारी श्री सी बी प्रसाद ने अस्थायी आतिशबाजी लायसेंस के संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा है कि एसडीएम मुरार ग्वालियर व्यापार मेला क्षेत्र के लिये तथा एसडीएम डबरा, घाटीगांव एवं भितरवार को अपने-अपने अनुभाग क्षेत्र में चिन्हित किए गए स्थानों पर समस्त विहित प्रक्रिया एवं सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विगत वर्ष जारी किए गए अस्थायी आतिशबाजी लायसेंसियों द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर उन्हें लायसेंस जारी करने की कार्यवाई कर लायसेंस जारी करने हेतु अधिकृत किया जाता है।

आतिशबाजी के अस्थायी लायसेंस जारी करते समय मध्यप्रदेश राज्य गृह विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी आदेशों एवं माननीय सवोच्च न्यायालय द्वारा राष्ट्रीय हरित अधिकरण मध्य क्षेत्र द्वारा पारित आदेश एवं समय-समय पर मध्यप्रदेश शासन एवं मुख्य विस्फोटक नियंत्रक द्वारा जारी आदेशों/निर्देशों एवं सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए। उन्होंने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि सभी अनुविभागीय क्षेत्रों में एकरूपता बनाए रखने की दृष्टि से आवेदन पत्र प्राप्ति से लेकर लायसेंस की अवधि प्रक्रिया को एकरूपता से अपनाया जाए। इसके लिये आवेदन पत्र आमंत्रण 5 अक्टूबर से 14 अक्टूबर 2026 तक, लायसेंस नवीनीकरण सूचना प्रकाशन 19 अक्टूबर 2026, लॉटरी द्वारा लायसेंसियों को दुकान आवंटन 23 अक्टूबर 2026, लायसेंस वितरण 24 अक्टूबर 2026 से एवं दुकानों की अवधि 25 अक्टूबर से 18 नवम्बर 2026 तक रहेगी। ग्वालियर व्यापार मेला परिसर में लगने वाली आतिशबाजी दुकानों के लिये मेला प्राधिकरण को रख-रखाव एवं अन्य विभिन्न सुविधाओं के एवज में प्रत्येक दुकान के लिये 1500 रुपए प्रदान किए जाना निर्धारित किया गया है।

भिण्ड-गोरमी के समाचार विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक
श्रमसाधना

संपादकीय

'काम नहीं, तो वोट नहीं' का सिद्धांत अपनाएं तो क्या होगा?

हाल ही में मध्य प्रदेश के गुना में एक नागरिक ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से एक सड़क के लम्बित कार्य को लेकर शिकायत की। उसका दोटूक संदेश था - सड़क बनवाइए, वरना हम आपको वोट नहीं देंगे। मांग रखे जाने के इस तरीके पर सिंधिया आपत्ति जताते दिखाई देते हैं और नागरिक से कहते हैं कि धमकी देने के बजाय अनुरोध करें।

लेकिन इसके बाद सड़क के लिए करीब 3 करोड़ रुपये की राशि मंजूर कर दी जाती है और जरूरी प्रक्रिया को भी तेजी से पूरा करने के निर्देश दे दिए जाते हैं। सिंधिया लंबे समय से मेरे मित्र हैं। वे एक भले व्यक्ति और सक्षम मंत्री हैं। इसलिए यह घटना उनके बारे में नहीं, बल्कि इससे मिलने वाले सबक के बारे में है।

हमें यह सरल निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए कि नागरिक की धमकी की वजह से सड़क का काम मंजूर हुआ। दरअसल, खबरों की मानें तो इसकी डीपीआर पहले ही तैयार हो चुकी थी। सिंधिया की मंशा पर सवाल उठाने का कोई आधार नहीं हो सकता।

लेकिन यह घटना लोकतंत्र की एक बुनियादी बात को सामने लाती है - मतदाता याचक नहीं होता, और सड़क आदि सुविधाएं उपलब्ध कराकर नेता भी नागरिक पर कोई उपकार नहीं कर रहे होते हैं। सड़कों का निर्माण सार्वजनिक धन से किया जाता है, जिसके संग्रह का स्रोत भी नागरिक ही है। निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के धन और जनहित के बीच एक माध्यम है। इसलिए यह रिश्ता अनुकम्पा नहीं, उत्तरदायित्व का होना चाहिए।

लेकिन समय के साथ हमने जाने कैसे ऐसी राजनीतिक संस्कृति बना डाली है, जिसमें नागरिक अकसर याचक की मुद्रा में राजनेता के पास पहुंचता है। चुनाव के समय राजनेता भी नागरिक के सामने इसी शैली में आते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अगर मतदाता यह सिद्धांत अपना लें कि काम नहीं, तो वोट नहीं, तो क्या होगा? गुस्से भरे नारे के रूप में नहीं, धमकी के रूप में भी नहीं, बल्कि यह जवाबदेही तय करने का एक संवैधानिक लोकतांत्रिक माध्यम हो। अलबत्ता शोध बताते हैं कि भारतीय मतदाताओं ने हमेशा ही इस तरह का व्यवहार नहीं किया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बनाई गई करीब 1.8 लाख ग्रामीण सड़कों का अध्ययन करने वाले एक बड़े शोध में पाया गया कि सड़कों के निर्माण से सत्तारूढ़ दल को अधिक चुनावी समर्थन नहीं मिला। सड़कें ऐसी सार्वजनिक सुविधाएं हैं, जो साफ दिखाई देती हैं और महत्वपूर्ण भी हैं, फिर भी उन्हें उपलब्ध कराने से चुनावी जीत की वह गारंटी नहीं मिली, जिसकी उम्मीद लोकतांत्रिक सिद्धांत के आधार पर की जा सकती है। ऐसा क्यों है? इसका जवाब सिर्फ यह नहीं हो सकता कि भारत के लोग आसानी से बहकावे में आ जाने वाले हैं। ऐसा कहना न केवल उनके लिए अपमानजनक, बल्कि गलत भी होगा। भारतीय मतदाता जटिल राजनीतिक गणनाएं करने में पूरी तरह सक्षम हैं। वे अकसर सत्ता-परिवर्तन करके सरकारों को दंडित करते हैं। समस्या यह है कि राजनीति में प्रदर्शन केवल एक कसौटी है, जिसके आधार पर मतदाता फैसला करते हैं। पहचान दूसरी कसौटी है। जाति मायने रखती है। धर्म मायने रखता है। समुदाय के प्रति निष्ठा मायने रखती है। राष्ट्रीय नेतृत्व मायने रखता है। कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मायने रखता है।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530
प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209
प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345
Email:shramsadhnagwl@gmail.com

सार्वजनिक निगाहों में- युवाओं को नशे से बचाने में प्रभावशाली व्यक्तित्वों की नैतिक जिम्मेदारी

डॉ. विजय गर्ग

युवा केवल कक्षाओं, पुस्तकों और माता-पिता से ही नहीं सीखते। वे उन लोगों से भी सीखते हैं जिन्हें वे देखते, पसंद करते और अपना आदर्श मानते हैं। सेलिब्रिटी, खिलाड़ी, कलाकार, मनोरंजन जगत से जुड़े लोग, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अन्य सार्वजनिक व्यक्तित्व, विशेषकर सोशल मीडिया के माध्यम से, युवाओं पर व्यापक सांस्कृतिक प्रभाव डाल सकते हैं। ऐसे प्रभाव के साथ एक महत्वपूर्ण नैतिक प्रश्न भी जुड़ता है– क्या सार्वजनिक व्यक्तित्वों को युवाओं में नशे की रोकथाम के लिए अधिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए?

इस प्रश्न का उत्तर उनकी सार्वजनिक दृश्यता की शक्ति को समझने से शुरू होता है। किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के शब्द, जीवनशैली और सार्वजनिक व्यवहार कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकते हैं। युवा अपने पसंदीदा व्यक्तित्वों के पहनावे, भाषा, आदतों और व्यवहार को अपनाने का प्रयास कर सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि युवाओं के निर्णयों के लिए सेलिब्रिटी ही जिम्मेदार हैं, लेकिन उनका प्रभाव उस सामाजिक वातावरण को प्रभावित कर सकता है जिसमें युवा अपने निर्णय लेते हैं।

नशे का दुरुपयोग केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं है। इसका प्रभाव परिवार, शिक्षा, रोजगार, शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक कल्याण और सामाजिक सुरक्षा तक पड़ सकता है। युवा साथियों के दबाव, जिज्ञासा, तनाव, सामाजिक वातावरण या भ्रामक ऑनलाइन सामग्री के कारण नशीले पदार्थों के संपर्क में आ सकते हैं। इसलिए रोकथाम केवल चेतावनी देने से संभव नहीं है। इसके लिए सही जानकारी, सहयोगी परिवार, जिम्मेदार विद्यालय और आसानी से उपलब्ध पेशेवर सहायता आवश्यक है।

सार्वजनिक व्यक्तित्व अपने मंचों का उपयोग नशीले पदार्थों से जुड़े जोखिमों के बारे में स्पष्ट और प्रमाण-आधारित संदेश देने के लिए कर सकते हैं। नशीली वस्तुओं के सेवन को फैशनेबल, विद्रोही या आकर्षक दिखाने के बजाय प्रभावशाली व्यक्तित्व स्वस्थ जीवनशैली, जिम्मेदार निर्णय लेने और तनाव से निपटने के रचनात्मक तरीकों को बढ़ावा दे सकते हैं।

खिलाड़ियों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकती है, क्योंकि युवा अक्सर खेल उपलब्धियों को अनुशासन और स्वस्थ जीवन से जोड़ते हैं। कलाकार और मनोरंजन जगत से जुड़े लोग भी अपनी लोकप्रियता का उपयोग रचनात्मकता, फिटनेस, शिक्षा और सार्थक सामाजिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए कर सकते हैं। डिजिटल इन्फ्लुएंसर ऐसे युवाओं तक भी पहुंच सकते हैं, जिन तक पारंपरिक जागरूकता अभियान आसानी से नहीं पहुंच पाते।

हालांकि, नैतिक जिम्मेदारी का अर्थ सार्वजनिक व्यक्तित्वों से पूर्णता की अपेक्षा करना नहीं है। सेलिब्रिटी भी निजी जीवन वाले व्यक्ति हैं और उनकी व्यक्तिगत कठिनाइयों को सार्वजनिक अपमान का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए। यदि किसी सार्वजनिक व्यक्ति ने नशे की लत या उससे उबरने का अनुभव किया है, तो वह अपनी कहानी जिम्मेदारी से साझा करके नशे से जुड़े कलंक को कम करने और लोगों को उपचार लेने के लिए प्रेरित करने में योगदान दे सकता है। ध्यान सनसनी फैलाने के बजाय शिक्षा, उपचार, पुनर्वास और रोकथाम पर होना चाहिए।

मीडिया की भी अपनी जिम्मेदारी है। नशीले पदार्थों के सेवन को बार-बार ग्लैमर, विवाद या मनोरंजन के रूप में प्रस्तुत करना अनजाने में हानिकारक व्यवहार को आकर्षक बना सकता है। जिम्मेदार पत्रकारिता को अनावश्यक सनसनी से बचना चाहिए और नशे के जोखिमों, उपचार तथा सहायता सेवाओं के बारे में उचित जानकारी देनी चाहिए।

नशे की रोकथाम में माता-पिता और शिक्षक भी केंद्रीय भूमिका निभाते हैं। किसी सेलिब्रिटी का संदेश घर में होने वाली बातचीत या विद्यालय में मिलने वाले मार्गदर्शन का स्थान नहीं ले सकता। युवाओं को ऐसा सुरक्षित वातावरण चाहिए जहां वे साथियों के दबाव, तनाव, जिज्ञासा और कठिन अनुभवों के बारे में बिना तुरंत आलोचना या दंड के डर के बात कर सकें। खुला संवाद उन्हें समय रहते सहायता मांगने में मदद कर सकता है, इससे पहले कि प्रयोग गंभीर नशे की समस्या में बदल जाए।

सरकार, विद्यालय, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, सामाजिक संगठन और सार्वजनिक व्यक्तित्व मिलकर नशा-रोधी जागरूकता अभियान चला सकते हैं। ऐसे अभियान आयु के अनुरूप, वैज्ञानिक जानकारी पर आधारित और वास्तविक सहायता सेवाओं से जुड़े होने चाहिए। केवल युवाओं से ÷नशे को ना कहो÷ कहना पर्याप्त नहीं हो सकता, यदि उन्हें यह पता ही न हो कि जब वे स्वयं या उनका कोई मित्र समस्या में हो तो सहायता कहां से प्राप्त करें। इसके पीछे एक व्यापक नैतिक सिद्धांत भी है– प्रभाव के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। जितना बड़ा किसी व्यक्ति का दर्शक वर्ग और युवाओं के साथ उसका संबंध होता है, उतना ही अधिक अवसर उसके पास सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने का होता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि सेलिब्रिटी को नैतिक प्राधिकारी बना दिया जाए। यह केवल एक सामाजिक अपेक्षा है कि असाधारण सार्वजनिक प्रभाव रखने वाले लोग अपने संदेशों के संभावित प्रभावों के प्रति सजग रहें।

युवाओं को आदर्श व्यक्तित्वों की आवश्यकता है, लेकिन उन्हें आलोचनात्मक सोच की भी जरूरत है। उन्हें यह समझना चाहिए कि लोकप्रियता किसी व्यवहार को स्वतः सुरक्षित नहीं बना देती और किसी सेलिब्रिटी की जीवनशैली हमेशा स्वस्थ जीवन का आदर्श नहीं होती। विद्यालय युवाओं को विज्ञापन, सोशल मीडिया के प्रभाव और अनुकरण की मनोविज्ञान को समझने में मदद कर सकते हैं, ताकि प्रशंसा बिना सोचे-समझे अनुकरण में न बदल जाए।

अंततः, युवाओं को नशे से बचाना साझी जिम्मेदारी है। सेलिब्रिटी अकेले इस समस्या का समाधान नहीं कर सकते, लेकिन वे नशे के प्रति समाज के दृष्टिकोण को प्रभावित कर सकते हैं। अपनी सार्वजनिक पहुंच का जिम्मेदारी से उपयोग करके, प्रमाण-आधारित रोकथाम का समर्थन करके, नशीले पदार्थों के सेवन के महिमामंडन से बचकर और युवाओं को सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करके सार्वजनिक व्यक्तित्व अपने प्रभाव को सकारात्मक सामाजिक शक्ति में बदल सकते हैं।

पूर्वजों की स्मृतियों और सांस्कृतिक जड़ों का उत्सव

डॉ. विजय गर्ग

त्योहार केवल उत्सव मनाने के अवसर नहीं होते। वे अतीत और वर्तमान के बीच जीवंत पुल का काम करते हैं। वे परिवारों को जोड़ते हैं, परंपराओं को जीवित रखते हैं और हमें उन लोगों की याद दिलाते हैं, जिनके जीवन, संघर्ष और मूल्यों ने हमारे वर्तमान को आकार दिया। पूर्वजों को याद करने वाला त्योहार इसलिए केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि अपनी जड़ों की ओर लौटने की यात्रा भी है।

आधुनिक जीवन की भागदौड़ में हम अक्सर अपने पारिवारिक इतिहास से दूर होते जा रहे हैं। हमें अपने माता-पिता और दादा-दादी के बारे में तो पता होता है, लेकिन उनसे पहले की पीढ़ियों की कहानियाँ धीरे-धीरे भुला दी जाती हैं। ऐसे त्योहार हमें रुकने, याद करने और अपनी जड़ों से फिर जुड़ने का अवसर देते हैं।

उन लोगों को याद करना जो हमसे पहले आए

हर परिवार की अपनी एक कहानी होती है। हर घर, हर उपलब्धि और हर परंपरा के पीछे कई पीढ़ियों के लोगों की मेहनत, संघर्ष और योगदान छिपा होता है।

हमारे पूर्वजों ने बहुत अलग परिस्थितियों में जीवन बिताया। अनेक लोगों ने आर्थिक कठिनाइयों, सीमित संसाधनों और सामाजिक चुनौतियों का सामना किया। फिर भी उन्होंने परिवार बनाए, खेती की, व्यवसाय खड़े किए, बच्चों को शिक्षित किया और परंपराओं को आगे बढ़ाया।

उन्हें याद करने का अर्थ अतीत में जीना नहीं है। इसका अर्थ है यह समझना कि हम कहाँ से आए हैं और वर्तमान की नींव रखने वालों के प्रति कृतज्ञ होना।

पारिवारिक स्मृतियों का महत्व

पुरानी तस्वीरें, हस्तलिखित पत्र, पारिवारिक कहानियाँ, पारंपरिक व्यंजन, पुश्तैनी घर और पीढ़ियों से संभालकर रखी गई वस्तुएँ केवल यादें नहीं हैं। वे हमारे सांस्कृतिक इतिहास के छोटे-छोटे दस्तावेज हैं।

जब दादा-दादी बच्चों को अपने बचपन, गाँव, स्कूल, त्योहारों या कठिन समय की कहानियाँ सुनाते हैं, तो वे ऐसा ज्ञान देते हैं जो शायद किसी पाठ्यपुस्तक में न मिले।

दुर्भाग्य से, बुजुर्गों के चले जाने के साथ ऐसी अनेक कहानियाँ भी खो जाती हैं। इसलिए पारिवारिक इतिहास लिखना, पुरानी तस्वीरों को सुरक्षित रखना और बुजुर्गों की यादों को रिकॉर्ड करना हमारी विरासत को बचाने का अच्छा तरीका हो सकता है।

संस्कृति पीढ़ियों को जोड़ती है

पारंपरिक भोजन, वेशभूषा, संगीत, लोकगीत, भाषा, रीति-रिवाज और सामुदायिक उत्सव हमारी सांस्कृतिक पहचान के महत्वपूर्ण हिस्से हैं।

त्योहार बच्चों को इन परंपराओं को केवल किताबों में पढ़ने के बजाय उन्हें अनुभव करने का अवसर देते हैं। दादा-दादी द्वारा सुनाया गया लोकगीत, परिवार के साथ बनाया गया पारंपरिक भोजन या किसी पुरानी परंपरा के पीछे की कहानी बच्चों को अपनी संस्कृति से जोड़ सकती है।

हालाँकि परंपराएँ समय के साथ बदलती भी हैं। संस्कृति को बचाने का अर्थ आधुनिकता को अस्वीकार करना नहीं है। एक स्वस्थ समाज अपनी विरासत का सम्मान करते हुए नए विचारों और सकारात्मक बदलावों के लिए भी खुला रह सकता है।

स्मृति से जिम्मेदारी तक

पूर्वजों को याद करना हमें आने वाली पीढ़ियों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों के बारे में भी सोचने के लिए प्रेरित कर सकता है।

हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसा पर्यावरण छोड़ेंगे? कौन-से मूल्य उन्हें देंगे? क्या वे हमें केवल हमारी संपत्ति और उपभोग के लिए याद करेंगे या हमारे योगदान के लिए भी?

हमारे पूर्वजों ने हमें केवल जमीन, घर या संपत्ति नहीं दी। उन्होंने हमें भाषा, मूल्य, ज्ञान, रिश्ते और सांस्कृतिक परंपराएँ भी दीं। हमारी जिम्मेदारी है कि जो अच्छा है उसे सुरक्षित रखें और जिसमें सुधार की आवश्यकता है, उसे बेहतर बनाएं।

उद्देश्यपूर्ण उत्सव

पूर्वजों की स्मृतियों पर केंद्रित त्योहार में कुछ सरल लेकिन अर्थपूर्ण गतिविधियाँ की जा सकती हैं–परिवार का इतिहास साझा करना, पुरानी तस्वीरों की प्रदर्शनी लगाना, दादा-दादी की यादों को रिकॉर्ड करना, पारंपरिक भोजन बनाना, बच्चों को लोकगीत सिखाना, पुश्तैनी स्थानों की यात्रा करना या प्रियजनों की स्मृति में पेड़ लगाना।

ऐसी गतिविधियाँ त्योहार को केवल मनोरंजन का दिन न बनाकर सीखने, जुड़ने और स्मरण करने का अवसर बना देती हैं।

विशेष रूप से युवा पीढ़ी इससे लाभान्वित हो सकती है। अपने परिवार का इतिहास जानना उनमें अपनापन, कृतज्ञता और पिछली पीढ़ियों के संघर्षों के प्रति सम्मान की भावना पैदा कर सकता है।

जड़ें भविष्य को अर्थ देती हैं

जिस पेड़ की जड़ें मजबूत होती हैं, वह बदलते मौसम के बीच भी आकाश की ओर बढ़ता रहता है। मनुष्य भी ऐसा ही कर सकता है। हम आधुनिक शिक्षा, तकनीक और नई जीवनशैली को अपनाते हुए भी अपनी सांस्कृतिक जड़ों को पूरी तरह नहीं भूलें। पूर्वजों को याद करना हमें विनम्रता सिखाता है। उनका जीवन हमें याद दिलाता है कि प्रगति शायद ही कभी केवल एक पीढ़ी का परिणाम होती है। हम पिछली पीढ़ियों से अवसर प्राप्त करते हैं और हमारी जिम्मेदारी है कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी बेहतर अवसर तैयार करें।

चुनाव आयोग पर राहुल गांधी के आरोपों के विरोध में भाजपा ने रखा पक्ष

भाजपा जिला और महानगर संगठन की संयुक्त पत्रकार वार्ता में नेताओं ने कहा- आरोपों के साथ तथ्य और प्रमाण भी सामने रखें

फिरोजाबाद, जीएनएस।
कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर लगाए जा रहे आरोपों के विरोध में सोमवार को भाजपा जिला एवं महानगर संगठन की संयुक्त पत्रकार वार्ता होटल मोनार्क में हुई। भाजपा जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर और महापौर कामिनी राठौर ने चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों पर पार्टी का पक्ष रखा।

भाजपा नेताओं ने कहा कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते समय आरोपों के साथ तथ्य और प्रमाण भी सार्वजनिक किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की ओर से जारी स्पष्टीकरण में कई आरोपों पर स्थिति स्पष्ट की जा चुकी है। पत्रकार वार्ता में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चुनाव आयोग के निर्णयों में सर्वसम्मति, फॉर्म-6 और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। भाजपा नेताओं ने कहा कि फॉर्म-6 को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर आयोग ने स्पष्ट किया है कि गैर-एसआईआर अवधि में पूर्ववर्ती नियम ही लागू हैं और प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि पात्र नागरिकों की चुनावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची से संबंधित प्रक्रिया विभिन्न स्तरों पर संचालित की जा रही है। भाजपा नेताओं ने कहा कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। चुनावी प्रक्रिया पर किसी भी तरह के आरोपों की चर्चा तथ्य, दस्तावेज और प्रमाण के आधार पर होनी चाहिए।

डॉ आंबेडकर नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित ग्वालियर की वार्षिक साधारण सभा की बैठक एवं बजट पर पर चर्चा करते हुए।

शहर से हटाए 4 ब्लैक स्पॉट

ग्वालियर, जीएनएस।
ग्वालियर नगर निगम द्वारा शहर को स्वच्छ, सुंदर और कचरामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कचरा ठीया (ब्लैक स्पॉट) हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इस अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य अमले ने गुरूवार को शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से 4 नए ब्लैक स्पॉट पूरी तरह समाप्त कर दिए हैं।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी के सख्त निर्देशों एवं अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम सार्वजनिक स्थानों पर एकत्र होने वाले कचरे के ढेरों को पूरी तरह समाप्त कर उन स्थानों सुंदर बना रही है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को नारायण विहार कॉलोनी, पानी की टंकी संजय नगर, गरगज कॉलोनी, सुरेश नगर वार्ड 24 से कचरा ठीये समाप्त किए गए।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने हिदायत दी है कि यदि साफ किए गए स्थानों पर दोबारा किसी व्यक्ति या स्थानीय नागरिक द्वारा कचरा डाला गया, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और मौके पर ही भारी जुर्माना वसूला जाएगा।

रोजगार शिविर में 35 युवाओं ने लिया भाग, 15 का चयन

फिरोजाबाद, जीएनएस।
हाथवंत ब्लॉक में सोमवार को एसआईएस सुरक्षा एजेंसी की ओर से रोजगार शिविर लगाया गया। इसमें 35 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 15 युवाओं का चयन किया गया। वंचित अभ्यर्थी आगामी तिथियों में आयोजित होने वाले शिविरों में शामिल हो सकेंगे।

कमांडेंट कार्यालय के फैसल खान ने बताया कि सुरक्षा जवान के पद के लिए 10वीं पास बेरोजगार युवाओं की आयु 19 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए। अभ्यर्थी की लंबाई 168 से 170 सेंटीमीटर और वजन 55 से 90 किलोग्राम के बीच होना आवश्यक है। भर्ती शिविर का समय सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक रहेगा।

अभ्यर्थियों को 10वीं, 12वीं सहित शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संबंधी योग्यता की अंकतालिका, आधार कार्ड, पैन कार्ड की छायाप्रति और दो पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाने होंगे।

उन्होंने बताया कि चयनित युवाओं को दिल्ली, जयपुर, एम्स कानपुर, आईआईटी कानपुर, आगरा-लखनऊ मेट्रो, होटल, ताजमहल, आगरा किला, सिकंदरा किला, मेडिकल कॉलेज, धार्मिक स्थलों और निजी क्षेत्र की विभिन्न इकाइयों में नियुक्ति दी जाएगी। सुरक्षा जवान को 14 से 22 हजार रुपये और सुरक्षा सुपरवाइजर को 18 से 25 हजार रुपये मासिक वेतन दिए जाने की जानकारी दी गई।

इन तिथियों में लगेंगे शिविर
29-30 सितंबर को नरखी ब्लॉक, 1-2 अक्तूबर को शिकोहाबाद ब्लॉक, 5-6 अक्तूबर को टूंडला ब्लॉक और 7-8 अक्तूबर को फिरोजाबाद ब्लॉक में शिविर आयोजित किए जाएंगे। भर्ती संबंधी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 9528537814 पर संपर्क किया जा सकता है।

विकसित भारत के लक्ष्य और चुनौतियों पर छात्राओं ने रखे विचार

फिरोजाबाद, जीएनएस।
दाऊदयाल महिला महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को 'विकसित भारत मिशन 2047 - लक्ष्य एवं चुनौतियां' विषय पर विभागीय सेमिनार हुआ। इसमें स्नातक और परास्नातक कक्षाओं की छात्राओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।

सेमिनार में छात्राओं ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य पर अपने विचार रखे। उन्होंने लक्ष्य हासिल करने की राह में आने वाली विभिन्न चुनौतियों और उनसे निपटने के लिए जरूरी प्रयासों पर चर्चा की। छात्राओं ने देश के आर्थिक विकास, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक प्रगति से जुड़े पहलुओं को भी अपने विचारों में शामिल किया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेनू वर्मा ने छात्राओं के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के शैक्षणिक कार्यक्रम विद्यार्थियों को समसामयिक विषयों को समझने और अपने विचार प्रभावी ढंग से रखने का अवसर देते हैं। अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्ष प्रो. प्रीति अग्रवाल ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. अर्चना अग्रवाल ने किया। सेमिनार में परास्नातक प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर तथा स्नातक प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर की छात्राओं ने भाग लिया।

हल्का इंचार्ज ने पितृपक्ष पर यमुना घाटों के मंदिरों में भ्रमण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जालौन, जीएनएस।
पितृपक्ष त्योहार को सकुशल तरीके से संपादित करने के उद्देश्य से हल्का इंचार्ज ने यमुना के विभिन्न घाटों तथा मार्गो एवं मंदिरों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

सोमवार के दिन कोतवाली कालपी प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रम्ह तिवारी के निर्देश पर हल्का इंचार्ज उप निरीक्षक रामजीलाल सिपाही राहुल मुकेश अभिषेक आदि पुलिस बल के साथ मदारपुर स्थित व्यास मंदिर एवं यमुना घाटों में बिहारी घाट पीला घाट ढोरेश्वर घाट तथा मंदिरों में अलग-अलग समय में पहुंचकर भक्तों के जाने वाले मार्गो का विदुवार निरीक्षण किया निरीक्षण के समय संदिग्ध अवस्था में घूम रहे युवकों से पूछताछ की तथा फटकार लगाकर सीधे घर जाने के निर्देश दिए उन्होंने भ्रमण दौरान अवगत कराया कि पितृपक्ष की शुरुआत हो गई है भक्तों के घाटों में तथा मंदिरों में पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था टाइट रखी जाएगी भक्तों के यमुना घाटों में जाने के लिए सारी व्यवस्थाएं सही तरह से कायम है भक्तों की सेवा में पुलिस टीम सदैव समर्पित रहेगी कोई भी समस्या को आड़े नहीं आने देगी उन्होंने बताया कि चैकिंग अभियान प्रतिदिन चलता रहेगा उन्होंने नगर के संदिग्ध लोगों को सख्त चेतावनी दी है यदि घाटों में भ्रमण करते हुए पाए गए ऐसे लोगों की खैर नहीं होगी।

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्नातक एमएलसी चुनाव मतदान केंद्र एवं बूथो के निरीक्षण में व्यवस्थाएं पाई गई सही

जालौन, जीएनएस।
तहसील कालपी के प्रशासनिक अधिकारियों ने स्नातक एमएलसी चुनाव को सकुशल तरीके से संपादित कराने के उद्देश्य पूरी तरह कमर कस ली है निरीक्षण के पहले सभी व्यवस्थाएं मतदान केंद्रों की टीमों को लगाकर सही कराई गई। उप जिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य तहसीलदार श्रीश कुमार मिश्रा नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला नायब तहसीलदार मुकेश कुमार समेत लोगों ने अलग-अलग समय में मत देय स्थल एव बूथ स्थल जैसे नगर पालिका परिषद कालपी कदौरा ब्लाक कार्यालय प्राथमिक विद्यालय आटा महेबा ब्लॉक कार्यालय दीनदयाल विद्यालय चुर्खी प्राथमिक विद्यालय नियामतपुर समेत आधा दर्जन मतदान केंद्र एवं बूथो का निरीक्षण कर सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया वहीं निरीक्षण दौरान व्यवस्थाओं में जो कमियां थी उन कमियों को पूरा कराया भ्रमण दौरान तहसीलदार ने अवगत कराया विधान परिषद स्नातक शिक्षक का चुनाव 22 अक्टूबर वर्ष 2026 मतदान होने की तिथि निर्धारित की गई है इस चुनाव में लगभग 3800 मतदाता उपरोक्त मतदान केंद्र एवं बूथो में मतदान करेंगे उन्होंने कहा कि चुनाव के समय मतदान केंद्रों में कोई बाहरी परिंदा पैर नहीं मार पाएगा उक्त चुनाव में एसडीम सहायक निर्वाचन अधिकारी तथा तहसीलदार पदाविहित अधिकारी आदि लोग अधिकारी पदों में रहकर अग्रणी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

प्रधान प्रशासक संघ के निर्विरोध अध्यक्ष पवनदीप बने

नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने समस्त प्रधानों की समस्या का उठाने का लिया संकल्प

जालौन, जीएनएस।
विकासखंड कार्यालय में ब्लॉक के समस्त प्रधानों की उपस्थिति में प्रधान प्रशासक संघ अध्यक्ष का सर्वसम्मत से निर्विरोध चुनाव संपन्न हुआ।

सोमवार के दिन विकासखंड महेवा कार्यालय में मौजूद प्रधानो के बीच प्रधान प्रशासक अध्यक्ष बनाने के लिए मौजूद प्रधानों ने सर्वसम्मत से किरतपुर प्रधान प्रशासक पवनदीप को अध्यक्ष बनाकर मौजूद प्रधानों ने माल्यार्पण कर अभूतपूर्व स्वागत किया बैठक शुरुआत होते ही मौजूद प्रशासकों ने चुनाव की हरी झंडी दी वहीं बैठक दौरान वर्तमान प्रधान प्रशासक संघ महेवा के अध्यक्ष पद के लिए पवनदीप निषाद के नाम का प्रस्ताव ग्राम प्रधान सरसई राजेश सिंह द्वारा रखा गया प्रस्ताव का अनुमोदन ग्राम प्रधान सिमरा शेखपुर सहित उपस्थित अधिकांश प्रधानों एवं प्रशासकों ने किया इसके बाद पवनदीप निषाद को सर्वसम्मति से संघ का अध्यक्ष चुना गया अध्यक्ष चुने जाने के बाद पवनदीप निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि सभी ग्राम प्रधानों एवं प्रशासकों के हितों के लिए एकजुट होकर कार्य किया जाएगा ग्राम पंचायतों में कार्य कराने में आ रही समस्याओं ग्राम निधि एवं मनरेगा से संबंधित भुगतान सहित अन्य समस्याओं को संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से रखा जाएगा उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का नहीं बल्कि विकासखंड महेवा के सभी ग्राम प्रधानों एवं प्रशासकों के हितों की आवाज को मजबूती से उठाना है सभी साथियों के सहयोग और सुझाव से संगठन को मजबूत बनाया जाएगा बैठक में उपस्थित प्रधानों एवं प्रशासकों ने पवनदीप निषाद को अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी और संगठन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया मौके पर बबलू महाराज प्रधान प्रतिनिधि मैनूपुर सावित्री देवी प्रधान धामनी कमल कांत प्रधान जीतामऊ महादेव यादव प्रधान निपनियाँ ननें प्रधान प्रतिनिधि रिनिया वैदेपुर नीलम देवी प्रधान रायपुर मगनलाल प्रधान भिटारी मनोज कुमार प्रधान नसीरपुर पवन दीप निषाद प्रधान कीरतपुर राजेश कुमार प्रधान सरसई नागेंद्र सिंह प्रधान मलथुआ दिनेश कुमार यादव प्रधान बैरई दीप्ति राठौर प्रधान सिम्हारा कासिमपुर राजकुमारी शर्मा प्रधान दमरास भोज निषाद प्रधान गुढ़ाखास नरेंद्र सिंह प्रधान प्रतिनिधि सरैनी गजराज प्रधान सिमरा शेखपुर गोपाल दास प्रधान मडैया नरेश बाबू प्रधान प्रतिनिधि दहेलखंड बाल सिंह निषाद प्रधान देवकली उमाशंकर निषाद रामबाबू प्रधान शेखपुर गुढ़ा माया देवी प्रधान मांगरोल प्रधान हीरापुर मुन्नी देवी प्रधान हथनौरा मथुरा प्रसाद प्रधान अटरा खुर्द इंद्रपाल सिंह प्रधान आदि।

पॉक्सो के दुरुपयोग पर सुप्रीम कोर्ट की लक्ष्मण रेखा

वैवाहिक विवाद में गंभीर आरोपों की जांच के लिए तय किए सुरक्षा मानदंड; डोंबिवली पार्षद की जमानत पर रोक और दिल्ली-एनसीआर यौन अपराधों पर स्वत:संज्ञान से न्यायपालिका ने सुरक्षा व स्वतंत्रता के संतुलन का संदेश दिया

भारत में आम नागरिक न्यायपालिका को न्याय की अंतिम आशा के रूप में देखता है। शासन-प्रशासन, संस्था अथवा किसी प्रभावशाली व्यक्ति के विरुद्ध शिकायत हो या दो सामान्य नागरिकों के बीच विवाद, संविधान के समक्ष समानता और विधि के शासन का मूल सिद्धांत यही है कि न्यायिक प्रक्रिया व्यक्ति की हैसियत नहीं, बल्कि कानून और साक्ष्यों को देखे। सितंबर 2026 के अंतिम सप्ताह में सर्वोच्च न्यायालय से जुड़े तीन महत्वपूर्ण घटनाक्रमों ने न्याय, सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के इसी संतुलन को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है।

इनमें पहला और दूरगामी प्रभाव वाला मामला वैवाहिक एवं बाल-अभिरक्षा विवादों के बीच पॉक्सो कानून के संभावित दुरुपयोग से जुड़ा है। दूसरा महाराष्ट्र के डोंबिवली स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में चिकित्सकों पर कथित हमले का है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय ने एक पार्षद को मिली जमानत पर रोक लगाते हुए आत्मसमर्पण का निर्देश दिया। तीसरा दिल्ली-एनसीआर में हाल की यौन अपराध की घटनाओं से संबंधित है, जिसमें न्यायालय ने स्वत:संज्ञान लेकर सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा तथा प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़े गंभीर सवाल उठाए।

वैवाहिक विवाद में पॉक्सो के आरोप पर सुरक्षा-कवच

24 सितंबर 2026 का 'आर बनाम ई एवं अन्य' फैसला इस पूरे घटनाक्रम में सबसे व्यापक कानूनी प्रभाव वाला है। मामला माता-पिता के बीच लंबे समय से चल रहे वैवाहिक और बच्चे की अभिरक्षा के विवाद से संबंधित था। बच्चे का जन्म 2015 में हुआ था। बेंगलुरु परिवार न्यायालय ने मार्च 2022 में बच्चे की अभिरक्षा पिता को दी थी। इस निर्णय को जनवरी 2023 में कर्नाटक उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई, लेकिन उसे बरकरार रखा गया। बाद में सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती सफल नहीं हुई।

इसके बाद 2024 में मां की ओर से पिता तथा परिवार के सदस्यों के विरुद्ध बच्चे के यौन शोषण का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया गया। इसमें पॉक्सो अधिनियम की धारा 10, किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 तथा उस समय लागू भारतीय दंड संहिता के प्रावधान लगाए गए। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने अप्रैल 2026 में जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंप दी। साथ ही बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा तथा नैदानिक मनोविज्ञान के विशेषज्ञों की सहायता लेने की व्यवस्था की गई।

जांच में बच्चे के बयान, सीसीटीवी दृश्य, चिकित्सा एवं मनोवैज्ञानिक सामग्री तथा अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों की जांच की गई। न्यायालय के सामने प्रस्तुत सीबीआई सामग्री के आधार पर आरोप विश्वसनीय नहीं पाए गए। इसके बाद न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि आपराधिक कार्यवाही को आगे जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। परिणामस्वरूप संबंधित प्राथमिकी और उसके आधार पर चल रही कार्यवाही रद्द कर दी गई तथा बच्चे की कानूनी अभिरक्षा पिता के पास बनाए रखने का निर्देश दिया गया।

केवल प्राथमिकी से आरोप साबित नहीं

फैसले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू भविष्य के मामलों के लिए तय किया गया न्यायिक सुरक्षा-कवच है। न्यायालय ने उस स्थिति को गंभीरता से लिया जिसमें माता-पिता के बीच वैवाहिक विवाद चल रहा हो और उसी दौरान बच्चे के साथ रहने वाले माता-पिता अथवा परिवार के किसी सदस्य के विरुद्ध पॉक्सो का आरोप लगाया जाए।

ऐसे मामलों में जांच अधिकारी को गिरफ्तारी के प्रश्न पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 में निर्धारित मानकों का कठोरता से पालन करना होगा। आवश्यकता के अनुसार बाल एवं किशोर मनोचिकित्सा अथवा नैदानिक मनोविज्ञान विशेषज्ञ की सहायता लेकर बच्चे का स्वतंत्र मूल्यांकन कराया जाना भी महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय माना गया है। विशेषज्ञ पॉक्सो नियम, 2020 के नियम 5 के तहत जिला बाल संरक्षण इकाई के उपलब्ध विशेषज्ञों में से लिया जा सकता है।

इस व्यवस्था का उद्देश्य किसी बच्चे की शिकायत को कमतर आंकना नहीं, बल्कि जांच को वैज्ञानिक और निष्पक्ष आधार देना है। बच्चे के कथन, उसकी परिस्थितियों, संभावित प्रभाव और मनोवैज्ञानिक स्थिति को पेशेवर दृष्टिकोण से समझना जरूरी है, ताकि जांच केवल आरोप की गंभीरता पर निर्भर न रह जाए।

सर्वोच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण सिद्धांत स्पष्ट किया कि केवल पॉक्सो की प्राथमिकी दर्ज हो जाने से आरोप स्वतः सत्य सिद्ध नहीं हो जाता। इसी तरह प्राथमिकी दर्ज होने मात्र से किसी माता-पिता का अभिरक्षा अथवा संरक्षकत्व का दावा भी स्वतः समाप्त नहीं होता। परिवार न्यायालय को उपलब्ध सामग्री और जांच के तथ्यों के आधार पर स्वतंत्र प्रथमदृष्टया राय बनानी होगी।

पॉक्सो कानून की धारा 33 के अंतर्गत विशेष न्यायालय के सामने सीधे निजी शिकायत आने की स्थिति में भी निर्धारित परिस्थितियों में संज्ञान लेने और प्रक्रिया आगे बढ़ाने से पहले बच्चे के विशेषज्ञ मूल्यांकन सहित उपलब्ध अन्य सामग्री को देखा जाना चाहिए। वहीं पॉक्सो अधिनियम की धारा 22 झूठी शिकायत या झूठी सूचना की कुछ परिस्थितियों में दंड का प्रावधान करती है। इसका उद्देश्य वास्तविक पीड़ित बच्चों की सुरक्षा को कमजोर करना नहीं, बल्कि कानून को प्रतिशोध या वैवाहिक संघर्ष का साधन बनने से रोकना है।

बच्चे का सर्वोत्तम हित सबसे ऊपर

इस फैसले का एक महत्वपूर्ण मानवीय पक्ष भी है। बाल-अधिकार न्यायशास्त्र में बच्चे का सर्वोत्तम हित केंद्रीय सिद्धांत माना जाता है। वास्तविक यौन अपराध की शिकायत सामने आए तो उसे अत्यंत संवेदनशीलता और तत्परता से लेना आवश्यक है। लेकिन यदि किसी बच्चे को माता-पिता के आपसी संघर्ष में हथियार बनाया जाता है, तो उसका मनोवैज्ञानिक और सामाजिक नुकसान भी गंभीर हो सकता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने इसी दोहरे खतरे के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। एक तरफ वास्तविक पीड़ित बच्चे की आवाज दबनी नहीं चाहिए, दूसरी तरफ किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर ऐसी अपरिवर्तनीय सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत क्षति का सामना भी नहीं करना चाहिए, जिसकी पुष्टि निष्पक्ष जांच में नहीं होती।

इसी कारण फैसले की प्रतियां सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल तथा राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों के माध्यम से आपराधिक न्यायालयों और पुलिस तंत्र तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया। इससे स्पष्ट है कि न्यायालय ने इस मामले को केवल एक परिवार के विवाद तक सीमित नहीं माना, बल्कि भविष्य की जांच और न्यायिक प्रक्रिया के लिए व्यापक मार्गदर्शन के रूप में देखा।

दिल्ली-एनसीआर में यौन अपराध पर स्वत:संज्ञान

28 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली-एनसीआर में हाल की यौन अपराध की घटनाओं पर स्वत:संज्ञान लिया। इनमें चलती स्लीपर बस में 16 वर्षीय लड़की के साथ चालक और परिचालक द्वारा कथित सामूहिक यौन अपराध का मामला भी शामिल था। न्यायालय ने अपनी रजिस्ट्री को जनहित मामला दर्ज करने का निर्देश दिया।

इस घटनाक्रम में न्यायालय का ध्यान केवल किसी एक घटना तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े व्यापक सवालों की ओर गया। पार्क, बस और अन्य सार्वजनिक स्थान कमजोर प्रकाश व्यवस्था, अपर्याप्त निगरानी या प्रशासनिक कमियों के कारण उच्च जोखिम वाले क्षेत्र नहीं बनने चाहिए।

नाबालिग से यौन अपराध के मामलों में पॉक्सो अधिनियम, 2012 के प्रासंगिक प्रावधान तथा परिस्थितियों के अनुसार भारतीय न्याय संहिता, 2023 की यौन अपराध संबंधी धाराएं लागू हो सकती हैं। हालांकि किसी विशेष मामले में अंतिम रूप से कौन-सी धाराएं लागू होंगी, यह प्राथमिकी, पीड़िता के बयान, चिकित्सकीय साक्ष्य, जांच और आरोपपत्र सहित उपलब्ध सामग्री पर निर्भर करता है।

यहां यह अंतर समझना भी जरूरी है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसी घटना का स्वत:संज्ञान लेना उस मामले में किसी आरोपी को दोषी ठहराने के समान नहीं है। आपराधिक दोषसिद्धि साक्ष्यों और विधिसम्मत न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही निर्धारित होती है।

डोंबिवली अस्पताल प्रकरण में जमानत पर रोक

इसी दिन महाराष्ट्र के डोंबिवली स्थित शास्त्रीनगर अस्पताल में चिकित्सकों और अस्पताल कर्मचारियों से कथित मारपीट के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत पर रोक लगा दी। न्यायालय ने आरोपी पार्षद को तीन दिनों के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया।

रमेश म्हात्रे और अन्य के विरुद्ध दर्ज मामले में चिकित्सकों एवं अस्पताल कर्मचारियों से कथित मारपीट से जुड़े आरोप हैं। प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, धारा 121(1), धारा 351(1), धारा 352, धारा 189(2) और धारा 191(2) सहित विभिन्न प्रावधान लगाए जाने की जानकारी सामने आई है। इसके साथ महाराष्ट्र में चिकित्सा सेवा कर्मियों और चिकित्सा संस्थानों में हिंसा तथा संपत्ति की क्षति रोकने संबंधी विशेष राज्य कानून के प्रावधान भी लगाए गए हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष आरोपी के पूर्व आपराधिक मामलों का रिकॉर्ड भी रखा गया। न्यायालय द्वारा जमानत पर रोक और आत्मसमर्पण का निर्देश चिकित्सा संस्थानों में काम करने वाले चिकित्सकों और कर्मचारियों की सुरक्षा के संदर्भ में महत्वपूर्ण न्यायिक संदेश के रूप में देखा जा सकता है। हालांकि यहां भी यह स्पष्ट रहना चाहिए कि मामला न्यायिक प्रक्रिया में है और आरोपों को अंतिम दोषसिद्धि के समान नहीं माना जा सकता।

न्याय के तीन आयाम

सितंबर 2026 के ये तीनों घटनाक्रम अलग-अलग परिस्थितियों से जुड़े हैं, लेकिन इनके केंद्र में कानून और व्यक्ति के अधिकारों के बीच संतुलन का प्रश्न है। दिल्ली-एनसीआर का मामला सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा तथा प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा है। डोंबिवली प्रकरण चिकित्सकों और चिकित्सा संस्थानों की सुरक्षा का सवाल उठाता है। वहीं 'आर बनाम ई एवं अन्य' कठोर बाल-सुरक्षा कानून के प्रभावी इस्तेमाल के साथ उसके संभावित दुरुपयोग से नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा का प्रश्न सामने रखता है।

निजी विश्वविद्यालयों को केवल राजस्व नहीं, अकादमिक जवाबदेही भी निभानी होगी

उच्च शिक्षा अब केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रह गई है। देशभर में निजी विश्वविद्यालयों का तेजी से विस्तार हुआ है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन, कानून, कृषि, विज्ञान, मानविकी और प्रौद्योगिकी सहित अनेक क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू हुए हैं। इन संस्थानों ने अतिरिक्त सीटें उपलब्ध कराईं, बुनियादी ढांचे में निवेश किया और उच्च शिक्षा तक पहुंच के नए अवसर पैदा किए हैं।

लेकिन निजी उच्च शिक्षा के इस विस्तार के साथ एक बुनियादी प्रश्न भी सामने आता है– विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य क्या होना चाहिए?

विश्वविद्यालय केवल परिसर, इमारतों, सुविधाओं, ब्रांड या राजस्व का नाम नहीं है। वह ज्ञान के विकास, जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण, शोध को बढ़ावा देने और समाज की सेवा के लिए उत्तरदायी अकादमिक संस्था है। वित्तीय स्थिरता किसी भी विश्वविद्यालय के लिए जरूरी है, लेकिन राजस्व को अकादमिक सफलता का केंद्रीय मापदंड नहीं बनाया जा सकता। विश्वविद्यालय की वास्तविक शक्ति उसके शिक्षण, शोध, शिक्षकों, विद्यार्थियों, अकादमिक वातावरण और समाज में योगदान से दिखाई देनी चाहिए।

शिक्षा सामान्य व्यवसाय नहीं

निजी विश्वविद्यालय चलाने के लिए पर्याप्त धन आवश्यक है। शिक्षकों और कर्मचारियों को वेतन देना होता है, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों का रखरखाव करना होता है, तकनीक उपलब्ध करानी होती है, बुनियादी ढांचा विकसित करना होता है और शोध को सहयोग देना होता है। इसलिए वित्तीय योजना बनाना या वैध राजस्व अर्जित करना अपने आप में गलत नहीं है।

समस्या तब शुरू होती है जब व्यावसायिक सोच अकादमिक निर्णयों पर हावी होने लगे। यदि कोई पाठ्यक्रम केवल इसलिए शुरू किया जाए कि उसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी प्रवेश ले सकते हैं, लेकिन उसके लिए पर्याप्त शिक्षक, प्रयोगशालाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध न हों, तो शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी।

इसी तरह यदि महंगी सुविधाओं का प्रचार वास्तविक शिक्षण और शोध से अधिक किया जाए, तो विद्यार्थी और अभिभावक संस्था की वास्तविक अकादमिक क्षमता का सही आकलन नहीं कर पाएंगे।

उच्च शिक्षा विश्वास पर आधारित दीर्घकालीन संबंध है। विद्यार्थी अपने जीवन के कई वर्ष किसी संस्थान को देते हैं और परिवार अक्सर बड़ी आर्थिक राशि खर्च करते हैं। इसलिए उन्हें यह जानने का अधिकार है कि विश्वविद्यालय वास्तव में क्या उपलब्ध करा सकता है और उसके दावे कितने प्रमाणित हैं।

शिक्षक विश्वविद्यालय की असली ताकत

कोई भी विश्वविद्यालय सक्षम और पर्याप्त रूप से समर्थित शिक्षकों के बिना अकादमिक रूप से मजबूत नहीं बन सकता। आधुनिक परिसर में शानदार इमारतें, स्मार्ट कक्षाएं और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं हो सकती हैं, लेकिन वे योग्य शिक्षकों का स्थान नहीं ले सकतीं।

विश्वविद्यालयों को ऐसे शिक्षकों की जरूरत है जिनके पास पढ़ाने, विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करने, शोध करने और अकादमिक विकास में योगदान देने के लिए पर्याप्त समय हो। शिक्षकों की नियुक्ति शैक्षणिक योग्यता, विषय विशेषज्ञता, शिक्षण क्षमता और शोध की संभावनाओं के आधार पर होनी चाहिए।

इसके साथ ही संस्थानों को ऐसी व्यावसायिक परिस्थितियां उपलब्ध करानी चाहिए, जो योग्य शिक्षकों को लंबे समय तक संस्था से जुड़े रहने और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। शिक्षकों का लगातार बदलना केवल प्रशासनिक आंकड़ा नहीं है। इसका सीधा असर शिक्षण की निरंतरता, विद्यार्थी मार्गदर्शन और शोध संस्कृति पर पड़ सकता है।

अकादमिक जवाबदेही का अर्थ केवल यह देखना नहीं है कि विश्वविद्यालय में कितने शिक्षक कार्यरत हैं, बल्कि यह भी देखना है कि उन्हें किस प्रकार का अकादमिक वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है।

शोध केवल आंकड़ों का खेल नहीं : शोध किसी भी विश्वविद्यालय की अकादमिक पहचान का महत्वपूर्ण आधार है। विश्वविद्यालय अक्सर शोध-पत्रों, पेटेंट, सम्मेलनों और अकादमिक सहयोगों की संख्या को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। ये संकेतक उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन केवल संख्या से शोध की गुणवत्ता तय नहीं होती।

असल सवाल यह है कि शोध किस समस्या का समाधान खोज रहा है? क्या वह मौलिक है? क्या वह अकादमिक समीक्षा की कसौटी पर खरा उतरता है? क्या उसका ज्ञान या समाज में वास्तविक योगदान है? क्या विद्यार्थी शोध प्रक्रिया में शामिल हैं? क्या शोध में नैतिक मानकों का पालन किया जा रहा है? यदि प्रकाशनों की संख्या को गुणवत्ता से अधिक महत्व दिया गया तो सतही अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है।

कलेक्टर चौहान ने अधिकारियों को दिए निर्देश, अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन और छात्रवृत्ति के मामलों का भी जल्द करें निराकरण

सीएम हेल्पलाइन के 100 दिन से लंबित प्रकरण सात दिन में निपटाएं

ग्वालियर जीएनएस

सीएम हेल्पलाइन में 100 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का सात दिन में निराकरण करना होगा। कलेक्टर रुचिका चौहान ने सोमवार को अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में अधिकारियों को अभियान चलाकर पुराने प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाए।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हुई बैठक में सेवा-संकल्प अभियान, सेवा सेतु अभियान सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि नए दर्ज सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का भी निर्धारित समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

अपर कलेक्टर अपने-अपने विभागों की नियमित समीक्षा कर लंबित मामलों की प्रगति पर नजर रखें।

कलेक्टर ने अनुकंपा नियुक्ति, पेंशन और छात्रवृत्ति वितरण से जुड़े लंबित आवेदनों का भी तत्परता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए। ऋण योजनाओं के प्रकरण तैयार कर बैंकों को भेजे जाएं तथा स्वीकृति के लिए लीड बैंक अधिकारी और संबंधित बैंक अधिकारियों से लगातार समन्वय किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, डॉ. भीमराव आंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना, बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना तथा मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक उद्यम और स्वरोजगार योजनाओं की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप प्रकरण स्वीकृत कराने के निर्देश दिए।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सोजान सिंह रावत, एडीएम सीबी प्रसाद, अपर कलेक्टर अनिल बनवारिया, अपर आयुक्त नगर निगम मुनीष सिकरवार सहित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण और जीपीएफ के मामलों की सुनवाई

पेंशन शिविर में 45 सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुनीं

ग्वालियर जीएनएस।

पुलिस कंट्रोल रूम सभागार में सोमवार को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों के लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए पेंशन निवारण शिविर लगाया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर आयोजित शिविर में करीब 45 सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज कराई।

शिविर में पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण, जीपीएफ सहित अन्य लंबित प्रकरणों की सुनवाई की गई। अधिकारियों ने

दस्तावेजों के आधार पर प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकांश मामलों का मौके पर ही समाधान किया। शेष लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

डीएसपी मुख्यालय रोबिन जैन ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के प्रकरणों की एक-एक कर समीक्षा की और समस्याओं के निराकरण की स्थिति जानी। उन्होंने शेष मामलों का भी जल्द निराकरण कराने का आश्वासन दिया। शिविर में पेंशन कार्यालय के एपीओ बलवीर मौर्य, जिला कोषालय के एटीओ अभिषेक शर्मा, डीपीओ के मुख्य लिपिक अनिल यादव, आंकिक वेतन कुलदीप सारस्वत सहित पुलिस विभाग के संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

शिविर का उद्देश्य विभागीय कारणों से लंबित पेंशन प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित निराकरण करना था, ताकि सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को अपने मामलों के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

जिला खेल परिसर में अंडर-14 मुकाबले

डायरेक्टर कप फुटबॉल प्रतियोगिता आज से

शिवपुरी जीएनएस

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला खेल परिसर में 30 सितंबर से इंटर स्कूल अंडर-14 डायरेक्टर कप फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू होगी। बालक एवं बालिका वर्ग की यह प्रतियोगिता प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10.30 बजे तक आयोजित की जाएगी। खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी डॉ. केके खरे ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के 12 प्रमुख स्कूलों की टीमें भाग लेंगी। प्रत्येक विद्यालय की ओर से 16 बालक और 16 बालिका खिलाड़ियों का चयन किया गया है। प्रतियोगिता के जरिए स्कूल स्तर पर फुटबॉल प्रतिभाओं को अपनी खेल क्षमता दिखाने का अवसर मिलेगा।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता स्कूल टीम को डायरेक्टर कप ट्रॉफी से सम्मानित किया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभावान खिलाड़ियों का चयन भी किया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों को दिसंबर-जनवरी में आयोजित होने वाले एमपी गेम्स में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

आकांक्षी विकासखंडों में विकास की रियल-टाइम निगरानी के लिए प्रशिक्षण

शिवपुरी जीएनएस

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत कोलारस और पिछोर में विकास कार्यों और योजनाओं की रियल-टाइम निगरानी के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों को 'नीति तारा' डिजिटल टूलकिट एवं विशेष पोर्टेबल डिवाइस का प्रशिक्षण दिया गया। जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर हुआ।

प्रशिक्षण में ईडीसीआईएल इंडिया लिमिटेड के मास्टर ट्रेनर संदीप सावंग ने अधिकारियों को पोर्टेबल डिवाइस की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और मैदानी स्तर पर इसके इस्तेमाल की जानकारी दी। पावरपॉइंट प्रस्तुति और प्रदर्शन के माध्यम से डिवाइस की तकनीकी सुविधाओं का प्रशिक्षण दिया गया।

डिवाइस के माध्यम से शासकीय योजनाओं और विकास सूचकांकों से जुड़े आंकड़ों की वास्तविक समय में निगरानी एवं विश्लेषण किया जा सकेगा। विभिन्न विभागों से संबंधित सूचनाओं का व्यवस्थित संकलन, मैदानी गतिविधियों की लगातार निगरानी और विकास कार्यों की प्रगति की ट्रैकिंग भी की जाएगी। इसके आधार पर प्रशासन त्वरित निर्णय और कार्ययोजना तैयार कर सकेगा।

सात दिवसीय प्रशिक्षण का समापन, आपदा के समय सतर्क रहकर निःस्वार्थ सेवा का दिया संदेश

आपदा मित्रों को बांटे किट और प्रमाण-पत्र

शिवपुरी जीएनएस

होमगार्ड एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित आपदा मित्र योजना के सात दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे सत्र का सोमवार को समापन हुआ। 22 से 28 सितंबर तक चले प्रशिक्षण के समापन समारोह में पुलिस अधीक्षक योगंचेन डोलकर भूटिया मुख्य अतिथि और संयुक्त कलेक्टर अनुराग निंगवाल विशेष अतिथि रहे।

जिला सेनानी होमगार्ड राजकुमार पथरोल की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में अतिथियों ने

आपदा मित्रों को आपदा के दौरान सतर्क रहने और निःस्वार्थ भाव से आमजन की जीवन रक्षा एवं सेवा के लिए प्रेरित किया। प्लाटून कमांडर राघवेंद्र सिंह हाकरे और एएसआई प्रमोद तिवारी ने भी आपदा प्रबंधन के दौरान जिम्मेदारी और तत्परता से कार्य करने का संदेश दिया।

समारोह के अंत में पुलिस अधीक्षक योगंचेन डोलकर भूटिया और संयुक्त कलेक्टर अनुराग निंगवाल ने प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी आपदा मित्रों को आपदा किट और प्रमाण-पत्र वितरित किए।

इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं होमगार्ड विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

गंदगी फैलाने वाले भैंस डेयरी संचालक से वसूला जुर्माना

ग्वालियर, जीएनएस।

शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी एवं अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही

निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज स्वास्थ्य अधिकारी श्री भीष्म पमनानी के निर्देशन में वार्ड 21 में भैंस डेयरी संचालक द्वारा गोबर गंदगी फैलाने पर 2000 रूपये एवं वार्ड 59 गंदगी फैलाने वाले दुकानदारों एवं ठेले वालों से 2000 रूपये का जुर्माना वसूला गया। वार्ड क्रमांक 28 गंदगी फैलाने वालों से 2600 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान जेडएचओ श्री प्रदीप सेन, डब्ल्यूएचओ श्री वीर सिंह, सुपरवाइजर राहुल तोमर उपस्थित रहे। साथ ही स्वास्थ्य अधिकारी किशोर चौहान के निर्देशन में वार्ड 40 में स्वर्ण रेखा नदी में कचरा फेंकने पर 500 रूपये का जुर्माना वसूला गया। कार्रवाई के दौरान सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री धर्मेंद्र परमार, जोनल हेल्थ ऑफिसर श्री गौतम चिंडालिया, वार्ड हेल्थ ऑफिसर श्री महेश खरे, सहायक श्री शिवा पवार उपस्थित रहे। इसके साथ ही सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री विवेक त्यागी के निर्देशन में वार्ड 64 ट्रांसपोर्ट नगर में 2000 रूपए का सफाई शुल्क वसूल किया गया। जेडएचओ श्री विजय राज एवं डब्ल्यूएचओ श्री गोपाल आदि उपस्थित रहे।

सीपीसीटी प्रमाण पत्र ना होने पर 8 कर्मचारियों की परिवीक्षा अवधि वापस

ग्वालियर। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने सहायक वर्ग-3 के पद पर कार्यरत 8 कर्मचारियों की परिवीक्षा अवधि फिर से लागू कर दी है, जिन्होंने अपनी नियुक्ति के समय सीपीसीटी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं किया है। साथ ही नगर निगम द्वारा पूर्व में परिवीक्षा अवधि समाप्त होने के बाद दी गई वेतनवृद्धि को समाप्त किया गया है। वेतनवृद्धि समाप्त होने से उन्हें मिले वेतनवृद्धि के लाभ को वापस लेने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए गए है। साथ ही 8 कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वह सीपीसीटी का प्रमाण पत्र तीन माह में प्रस्तुत करें। सीपीसीटी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने तक उन्हें 19500 ग्रेड पे के हिसाब से वेतन भुगतान किया जाएगा। मध्यप्रदेश शासन के नियम अनुसार वर्ष 2015 के पश्चात नियुक्ति होने वाले कर्मचारियों के लिए सीपीसीटी प्रमाण पत्र अनिवार्य किया गया था। इस दौरान नगर निगम में नियुक्त हुए कुछ कर्मचारियों ने अपने दस्तावेजों के साथ सीपीसीटी के स्थान पर अन्य प्रमाण पत्र संलग्न कर दिए थे।

नशा मुक्ति को जनआंदोलन बनाएं, युवाओं को शिक्षा और खेल से जोड़ें

दबोह, जीएनएस। क्षेत्र के ग्राम बमनपुरा में सामाजिक जागरूकता एवं ग्रामीणों की समस्याओं पर संवाद के उद्देश्य से ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता करते हुए नशा मुक्ति, शिक्षा, युवाओं की भूमिका, सामाजिक जागरूकता एवं साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। चौपाल को संबोधित करते हुए प्रदेश सहसंयोजक संजीव नायक एडवोकेट ने कहा कि नशा मुक्ति को केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था का अभियान नहीं, बल्कि पूरे समाज का जनआंदोलन बनाना होगा। समाज के प्रत्येक वर्ग को नशे के खिलाफ अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य को प्रभावित करने के साथ-साथ परिवार और समाज पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। नशे के कारण युवा अपराध एवं अन्य सामाजिक बुराइयों की ओर बढ़ सकते हैं। इसलिए गांव-गांव में जागरूकता बढ़ाकर युवाओं को नशे से दूर रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

संजीव नायक ने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि गांव को नशा मुक्त बनाने के लिए समाज के जागरूक लोगों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों को मिलकर प्रयास करना होगा। युवाओं को शिक्षा, खेल, रोजगार और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर उन्हें सकारात्मक दिशा प्रदान की जा सकती है। आगे उन्होंने कहा कि शिक्षित, स्वस्थ और नशामुक्त युवा ही मजबूत समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं। गांव की छोटी-छोटी सामाजिक पहल आगे चलकर बड़े बदलाव का माध्यम बन सकती हैं। चौपाल के दौरान ग्रामीणों से वर्तमान समय में बढ़ रहे साइबर अपराधों के प्रति भी सजग रहने का आह्वान किया गया। ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने, संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर फ्रॉड से बचने के लिए सावधानी बरतने की बात कही गई। चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों ने गांव में नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास करने की बात कही। कार्यक्रम का संचालन मानवेंद्र गुर्जर ने किया।इसअवसर पर मानवेंद्र सिंह गुर्जर,अनिरुद्ध गुर्जर, विजय राम पाल, रामकिशुन दोहरे,अरविंद दोहरे,आशीष दोहरे संतोष शर्मा, जगराम पाल, राजाराम पाल, सूर्यसेन दोहरे, बबलू गुर्जर, रामराज गुर्जर, विक्कु श्रीवास्तव, शिव सिंह दोहरे, नवदीप शर्मा, अवधेश श्रीवास्तव, अरविंद शर्मा, आकाश श्रीवास्तव, विवेक प्रताप सिंह गुर्जर सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

डबरा में भारत विकास परिषद ने किया पदाधिकारियों का भव्य स्वागत, संस्कार-सेवा-समर्पण के संकल्प को मिला नया आयाम

डबरा, जीएनएस। भारत विकास परिषद मध्य भारत उत्तर प्रांत, शाखा डबरा द्वारा क्षेत्रीय संगठन मंत्री परम आदरणीय श्री विक्रांत खंडेलवाल जी एवं प्रांतीय संयोजक संपर्क श्री अशोक शर्मा जी के डबरा आगमन पर बाबा श्याम होटल में आत्मीय स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया।

कार्यक्रम में भारत विकास परिषद के मूल मंत्र ÷संस्कार, सेवा, समर्पण, संपर्क एवं सहयोग÷ को केंद्र में रखते हुए संगठन की आगामी गतिविधियों और सामाजिक सेवा कार्यों को लेकर चर्चा की गई। अतिथियों ने परिषद के सेवा कार्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने और संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने पर जोर दिया।

स्वागत समारोह के दौरान परिषद पदाधिकारियों और सदस्यों में खासा उत्साह देखने को मिला। आत्मीय वातावरण में आयोजित इस बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, सामाजिक सरोकारों और सेवा कार्यों को लेकर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम में अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, सचिव संदीप सैनिक, कोषाध्यक्ष राहुल राजपूत, बसंत कुकरेजा, दीपक जैन, बसंत वाधवानी, पंकज जैन, जगदीश साहू, मानस शर्मा, लोकेंद्र वर्मा, रणजीत राणा, सोनू साहू, पुट्टी राम श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, नरेश साहू, नंदकिशोर शर्मा सहित परिषद के अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। अतिथियों के डबरा आगमन पर शाखा डबरा द्वारा किया गया यह स्वागत-वंदन एवं अभिनंदन संगठन की एकजुटता और सेवा भावना का परिचायक रहा।

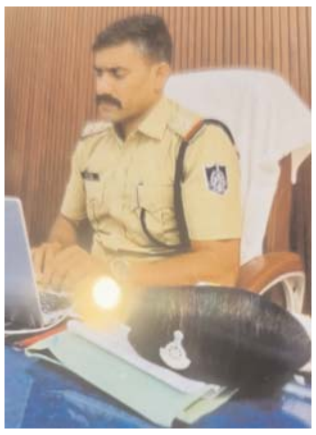

थाना प्रभारी रावत ने पद भार संभाला

नैनपुर। थाना क्षेत्र नैनपुर में थाना प्रभारी नैनपुर ? प्रकाश रावत ने पद भार संभाल लिया है ग्राउंड जीरो से चर्चा करते हुए आपने पहली प्राथमिकता नगर और ब्लॉक में शांति व्यवस्था बने रहे कहा है।

जनसुनवाई में हितग्राहीयो की समस्याओं का समाधान कराया सुधीर गुप्ता ने

ग्वालियर, जीएनएस। ग्वालियर विकास प्राधिकरण ऑफिस में वाइस चेयरमैन सुधीर गुप्ता द्वारा जनसुनवाई में समस्याओं का निराकरण किया जनसेवा ही हमारा सर्वोपरि संकल्प है 80 प्रकरणों में 62 का निराकरण किया बाकी प्रकरणों में समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनके त्वरित प्रभावी एवं संतोषजनक निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए जनसुनवाई में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के संपदा अधिकारी विकास सिंह भदोरिया, श्री बृजेश शर्मा भूअर्जन अधिकारी ई.ई. देवेंद्र गुप्ता, ए. ई. इंजीनियर सुनील शुक्ला, दीपक पाठक वरिष्ठ लेखा,ऑफिसर , तकनीक शाखा प्रभारी, श्रीमती अनीता भदकारिया ऑफिस सुपरिटेंडेंट, प्रभारी भूखंड संदीप तिवारी प्रभारी भूखंड मनोज माथुर, अशोक इंग्ले सहित सेक्सन के विभाग प्रमुख एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त ने सुनी आमजन की समस्याएं

ग्वालियर, जीएनएस। आमजनों की विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए जनसुनवाई आयोजित की गई। जिसमें नगर निगम ग्वालियर में श्री प्रदीप सिंह तोमर एवं मुनीष सिकरवार ने आमजनों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई के दौरान अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सिटीसेंटर स्थित निगम मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आवेदक श्री आशु श्रीवास द्वारा बताया गया कि शासकीय विद्यालय दुल्लपुर सिद्धार्थ नगर वार्ड 21 में निरंतर कचरा डलने से प्राइमरी स्कूल में अत्यंत गंदगी होने के स्कूल का संचालन नही हो पा रहा है विधालय में पढने के लिए आने वाले बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड रहा है।

इसके साथ ही कवि नगर एवं वायु नगर में सीवरेज ट्रीटमेंट और डेऊनेज व्यवस्था पूरी तरह ठप होने, दूषित पेयजल आपूर्ति के कारण गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड 58 के निवासियों द्वारा बताया गया कि न्यू पुलिस कॉलोनी में सीवर लाइन पूरी तरह बंद होने के कारण गंदा पानी रोड पर जमा हो रहा है जिससे बदबू एवं गंदगी का सामना करना पढ़ रहा है, अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गये। वार्ड 61 निवासीगण द्वारा वैष्णो धाम कॉलोनी की मेन रोड पर अवैध मकान का निर्माण किये जाने से मुख्य मार्ग प्रभावित हो रहा है। वार्ड 52 बालाजीपुरम गुढ़ी गुढ़ा का नाका पार्क के पास की मुख्य सड़क की स्थित जर्जर है नव निर्माण कराने को कहा गया। वार्ड 2 रामदास घाटी सुनारो की बगीया के निवासीगण द्वारा बताया गया कि गंगाराम अहिरवार द्वारा मकान निर्माण कराया जा रहा है जिसका छज्जा अवैध रूप से बाहर निकर रहा जिसके रोकने के सम्बंध में अपना आवेदन अपर आयुक्त को दिया। इसके साथ ही विभिन्न समस्याओं से संबंधित 42 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश अपर आयुक्त ने दिए।

भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं पर जमकर झूमे भक्त

पोरसा, जीएनएस। कथा प्रवक्ता परम पूज्य पंडित राम अवतार शास्त्री जी ने पोरसा में बताया मेरा कथा कहने का मुख्य उद्देश्य वैदिक एवं सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करना है मैं अभी तक सैकड़ों श्रीमद् भागवत कथा एवं राम कथा कहकर नास्तिक लोगों को आस्था बान एवं धर्म मार्ग पर लेकर आ चुका हूं,,,,,

प्रेस वार्ता में श्री शास्त्री जी ने बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को 24 घंटे में से कुछ समय भगवान को लिए निकलना चाहिए जो व्यक्ति भगवान का नाम लेते हैं उनका प्रारब्ध बन जाता है प्रारब्ध के अनुसार उनका जीवन सफल एवं खुशहाल हो जाता है भगवान के यहां देरी हो सकती है अंधेरी नहीं होती इसलिए मेरा सभी से निवेदन है कि सभी लोग धर्म के मार्ग को पकड़े और अपने परमपिता परमात्मा को याद करें भगवान आपको सब कुछ बिना मांगे दे देंगे विश्वास करोगे तो फल अवश्य प्राप्त होगा,,, आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन कथा पंडाल भक्ति, ज्ञान और आध्यात्मिक ऊर्जा से गुंजायमान हो उठा। पंडित राम अवतार शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मार्मिक वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

कथा के दौरान पंडित राम अवतार शास्त्री ने कहा कि ÷भगवान किसी का घमंड नहीं रहने देते। इंद्र का अहंकार समाप्त करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर संसार को विनम्रता और धर्म का संदेश दिया।÷

उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि बाल्यकाल में ही श्रीकृष्ण ने अनेक असुरों का संहार कर धर्म और भक्तों की रक्षा की। पूतना वध सहित कई लीलाओं के माध्यम से भगवान ने यह सिद्ध किया कि जब-जब धर्म पर संकट आता है, तब ईश्वर स्वयं अपने भक्तों की रक्षा के लिए अवतार लेते हैं। कथा में राजा बलि के प्रसंग का उल्लेख करते हुए श्री शास्त्री ने कहा कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जलवायु और पर्यावरण शुद्धि का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने भगवान श्रीराम के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम ने अपना संपूर्ण जीवन समाज और मानवता की सेवा में समर्पित किया, तभी रामराज्य की स्थापना संभव हो सकी।

इस अवसर पर श्री शास्त्री जी महाराज ने समाज को नशा मुक्ति का संदेश देते हुए कहा कि नशा व्यक्ति के धन, सम्मान, परिवार और भविष्य को पूरी तरह बर्बाद कर देता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर संस्कार, शिक्षा और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूरा वातावरण ÷राधे-राधे÷ एवं ÷जय श्रीकृष्ण÷ के जयकारों से भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक ऊर्जा एवं जीवन मूल्यों को आत्मसात किया।

इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में भक्तों का विशेष योगदान रहा।

पोरसा में आयोजित यह श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन बनकर सीमित नहीं रही, बल्कि समाज में संस्कार, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति और आपसी सद्भाव का मजबूत संदेश देने का माध्यम बन रही है।

गुड़गांव में कांग्रेस पार्टी नेताओं का जोरदार प्रदर्शन

प्राण शर्मा

गुड़गांव। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तथा मतदाता सूचियों और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े कांग्रेस द्वारा लगाए जा रहे कथित अनियमितताओं के आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी गुरुग्राम ग्रामीण एवं शहरी ने आज यहां पर एक विशाल और जोर दार विरोध प्रदर्शन किया।

इस प्रदर्शन का आयोजन ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन यादव और शहरी जिलाध्यक्ष पंकज डावर के नेतृत्व में किया गया।

इस कार्यक्रम में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह, हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त तथा पूर्व सांसद राज बब्बर विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ता कमान सराय स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय से मार्च करते हुए सदर बाज़ार पहुंचे।

आज इस प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में झंडे, तख्तियां और मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला लेकर चुनाव आयोग एवं केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। ।

कांग्रेस नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे, मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया में पारदर्शिता, कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच तथा निर्वाचन आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

-चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों की स्वतंत्र जांच हो – संजय दत्त

हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता लोकतंत्र की बुनियाद है और उस पर उठने वाले गंभीर सवालों का पारदर्शी तरीके से जवाब दिया जाना चाहिए।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया और आयोग के कुछ निर्णयों को लेकर सामने आए सवालों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

उन्होंने मांग की कि संबंधित आरोपों एवं निर्णयों की स्वतंत्र, निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा यदि जांच में किसी प्रकार की आपराधिक जिम्मेदारी सामने आती है तो कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए।

दत्त ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यकाल में लिए गए विवादित निर्णयों और चुनावी प्रक्रियाओं की समीक्षा होनी चाहिए। उनका कहना था कि लोकतंत्र में प्रत्येक मतदाता के मताधिकार की रक्षा और चुनावी संस्थाओं पर जनता का विश्वास सर्वोपरि है।

मतदाता सूची से नाम हटने के आरोप बेहद गंभीर – राव नरेंद्र सिंह: हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार मतदाता सूचियों और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े सवाल उठा रहे हैं।

उन्होंने दावा किया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण, फॉर्म-6 तथा स्ढ्ढक्र प्रक्रिया को लेकर सामने आ रहे आरोप गंभीर हैं और उनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

राव नरेंद्र सिंह ने देशभर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाने संबंधी कांग्रेस के दावों का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए या जोड़े गए हैं तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ा अत्यंत गंभीर विषय है।

उन्होंने मांग की कि निर्वाचन आयोग इन मामलों से संबंधित आंकड़े और प्रक्रिया सार्वजनिक कर पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करे।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता केवल तकनीकी विषय नहीं, बल्कि नागरिक के लोकतांत्रिक अधिकार से जुड़ा प्रश्न है।

चुनावी प्रक्रिया पर उठे हर सवाल का जवाब देश को मिलना चाहिए – राज बब्बर

पूर्व सांसद राज बब्बर ने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और मतदाता सूचियों में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने भाजपा और निर्वाचन आयोग की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनावी व्यवस्था पर जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए प्रत्येक गंभीर आरोप की पारदर्शी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की जीत या हार का फैसला केवल जनता के स्वतंत्र और निष्पक्ष मत से होना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया पर संदेह पैदा करने वाले प्रत्येक सवाल का तथ्यात्मक और सार्वजनिक जवाब दिया जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में है।

लोकतंत्र में जनता के वोट से बड़ा कोई अधिकार नहीं – पंकज डावर

शहरी जिलाध्यक्ष पंकज डावर ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनावी प्रक्रिया का पारदर्शी और निष्पक्ष होना आवश्यक है। मतदाता सूची या चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठने वाले प्रत्येक गंभीर सवाल का चुनाव आयोग को तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के मताधिकार की रक्षा और चुनावी व्यवस्था में पारदर्शिता की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज मजबूती से उठाती रहेगी।

हर मतदाता के अधिकार और चुनावी पारदर्शिता की लड़ाई जारी रहेगी – वर्धन यादव

ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन यादव ने कहा कि यह लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष की नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक मतदाता के अधिकार और लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के विश्वास की लड़ाई है। चुनावी प्रक्रिया या मतदाता सूची में किसी भी कथित अनियमितता की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और तथ्य देश के सामने रखे जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि गुरुग्राम कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक तरीके से मतदाताओं की आवाज उठाती रहेगी और चुनावी पारदर्शिता एवं जवाबदेही की मांग को मजबूती से आगे बढ़ाएगी।

सुखबीर कटारिया ,पर्ल चौधरी, अमित यादव,पूनम चौहान, अमित यादव, सुधीर चौधरी, पंकज भारद्वाज, सतबीर पहलवान, महाराज सिंह, शाहीन शम्स, कुलदीप गुर्जर,सीमा पहुजा, सीमा हुड्डा, सुखबीर तंवर, राकेश यादव, मुकेश पवन चौधरी, सतपाल शर्मा, हरकेश प्रधान, मनदीप राठी, हरिओम सिंह छोकर, सूबे सिंह यादव, कुलराज कटारिया, भोले गुज्जर,मुकेश डागर, राहुल नंबरदार ,राज कुमार यादव, संजय भारद्वाज, विवेक कटारिया, जसविंदर बिसला, प्रमोद सैनी, अरविंद गुज्जर,सुशील सहरावत, राजीव यादव, हरेंद्र सहरावत, कार्तिक गहलोत, शैलेश खटाना, रज्जु चेयरमैन, सुनील यादव,अमित कोचर,राजपाल यादव,अशोक उल्लवास, रविन्द्र सिंह, अमन कौशिक,महावीर कन्हाई,सुमन सहरावत,पूजा शर्मा,दिनेश शर्मा,राज कुमार एससी अध्यक्ष,करण लोहिया,अरुण शर्मा,दीपिका खन्ना,गजेंद्र चौहान, सनी यादव, मास्टर महेंद्र सैन, कृष्ण साहू, सुरिंदर गुलिया, दीपक दहिया, नरेश वशिष्ठ, धर्मेंद्र मिश्रा उपस्थित रहे।

प्रेम कुमार ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ के ग्लोबल कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत

पटना, जीएनएस।

वरिष्ठ पत्रकार एवं संस्कृतिकर्मी प्रेम कुमार को ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के कला एवं संस्कृति प्रकोष्ठ का ग्लोबल कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद ने श्री कुमार को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उनके मनोनयन पर पत्रकारिता, कला, संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

श्री कुमार लंबे समय से पत्रकारिता के साथ-साथ कला एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं। उनके मनोनयन से कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में संगठन की गतिविधियों को और व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने की उम्मीद जताई जा रही है। लोगों ने कहा कि उनके अनुभव एवं सक्रियता से कलाकारों, संस्कृतिकर्मियों और विभिन्न रचनात्मक विधाओं से जुड़ी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलेगा। अपने मनोनयन पर प्रेम कुमार ने ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने संगठन की प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन के प्रति भी विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री कुमार ने कहा कि

संगठन ने उनपर जो विश्वास व्यक्त किया है, वह उनके लिए सम्मान के साथ-साथ महत्वपूर्ण दायित्व भी है। वह इस जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, प्रतिबद्धता और ईमानदारी के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि कला और संस्कृति समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम है। लोक कला, साहित्य, संगीत, रंगमंच और अन्य सांस्कृतिक विधाओं को बढ़ावा देने तथा कलाकारों को उचित मंच उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किया जाएगा। देश-विदेश में रहने वाले कायस्थ समाज की कला एवं सांस्कृतिक प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने और नई पीढ़ी को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने के लिए भी पहल की जाएगी। श्री कुमार ने कहा कि इस दायित्व को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए संगठन के पदाधिकारियों, सदस्यों और कला-संस्कृति से जुड़े लोगों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, कलाकारों, संस्कृतिकर्मियों, पत्रकारों एवं शुभचिंतकों के प्रति भी आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके सहयोग से कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में रचनात्मक गतिविधियों को नई गति देने का प्रयास किया जाएगा।

भजन संध्या का आयोजन आगामी 3 को सायं 6 बजे से श्री श्याम जी मंदिर के बाहर किया जाएगा

न्यू कॉलोनी क्षेत्र की समस्त जनता को सूचित करते हुए अपार हर्ष एवं आनंद की अनुभूति हो रही है कि श्याम जी महाराज ट्रस्ट की ओर से एक भव्य भजन संध्या का आयोजन आगामी 3 अक्टूबर, 2026 को सायं 6 बजे से श्री श्याम जी मंदिर के बाहर किया जाएगा जिसमें श्री कृष्ण जी की अनन्य सेविका बहन अलका गोयल अपनी सुरीली वाणी से भजनों द्वारा हम सब को आनंदित करेंगी । इस कार्यक्रम में आशीर्वचन देने के लिए श्रद्धेय महामण्डलेश्वर स्वामी धर्मदेव जी पधारेंगे । श्रीमती सुधा यादव, पूर्व सांसद एवं केंद्रीय संसद बोर्ड सदस्य की गरिमामयी उपस्थिति में होने वाले इस कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरुग्राम के यशस्वी विधायक माननीय श्री मुकेश शर्मा जी करेंगे एवं मुख्य अतिथि के रूप में गुरुग्राम की प्रथम नागरिक श्रीमती राज रानी मलहोत्रा जी एवं क्षेत्रीय पार्षद विजय परमार जी भी पधारेंगे । पंजाबी बिरादरी संगठन के प्रधान श्री ओम प्रकाश कथूरिया जी एवं प्रसिद्ध समाजसेवी श्री जगदीश बंसल जी के साथ साथ श्री बोधराज सीकरी जी , प्रधान श्याम मंदिर ट्रस्ट अपने समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं महिलामंडल के साथ आपके स्वागत के लिए उत्सुक रहेंगे।

04 अक्टूबर का दिन समाज की एकता के नाम करें

पूर्व की भांति इस वर्ष भी अग्र सेवा संस्थान द्वारा इस वर्ष अग्रसेन जयंती की पूर्व संध्या पर रविवार दिनांक 4 अक्टूबर को सुबह 8:30 बजे से कोटेश्वर मंदिरसे अग्रवाल जागरण वाहन रैली को रवाना किया जायेगा। इस रेली में दो पहिया वाहन अथवा चार पहिया वाहन से सम्मिलित हुआ जा सकेगा। रेली कोटेश्वर मंदिर से सुबह 9 बजे रवाना होकर किला गेट, गोले का मंदिर, सात नंबर चौराहा मुरार, अग्रसेन चौक, सदर बाजार मुरार थाटीपुर, यूनिवरसिटी चौराहा, पटेल नगर, सीटी सेंटर, इुद्द श्रद्धद्धद्धष्द्ग, चेतक पूरी चौराहा, अचलेश्वर , दाल बाजार, नया बाजार, लोहिया बाजार, दौलत गंज, बाड़ा, जनकगंज, नई सड़क, फलका बाजार, सिंधे की छावनी होते हुए गोपाल मंदिर फूलवाग पर जाकर समाप्त होगी।

गोपाल मंदिर फूलवाग पर भोजन प्रसादी का वितरण होगा।

रेली का मुख्य उद्देश्य है संगठित होकर समय की मांग अनुसार अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना है। ग्वालियर की लगभग सभी अग्रवाल संस्थाएं एवं अधिकांश अग्र बंधु इसमें भाग लेकर रेली को मजबूती प्रदान करते हुए अग्र एकता का एक सुखद संदेश प्रदान करते हुए नजर आयेंगे।

सभी अग्र बंधुओं से निवेदन है कि वह इसमें बढ़चढ़कर अवश्य ही भाग ले।

डॉ जयंतीलाल भंडारी को हरिहर लहरी सम्मान

इंदौर। बाबूजी श्री हरिहर जी लहरी सम्मान समारोह समिति की संयोजिका राजेश्वरी विजय जोशी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि सांसद शंकर लालवानी, डॉ विनायक पाण्डे और अन्य अतिथियों ने इस वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित हरिहर लहरी सम्मान से देश के ख्याति प्राप्त शिक्षाविद और अर्थशास्त्री डॉ. जयंतीलाल भंडारी को इंदौर प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित समारोह में सम्मानित किया। प्रारंभ में माँ शारदा की वंदना डॉ शशि निगम ने प्रस्तुत की। शिक्षाविद स्वर्गीय लहरी जी के विषय में साहित्यकार दिनेश तिवारी उपवन, केदार त्रिपाठी, शिवकुमार जी धनोतिया, सतीश शर्मा आदि ने विचार प्रस्तुत किए। इस पुनीत अवसर पर कवि, लेखक व समीक्षक श्री संजय एम तराणेकर,

समाजसेवी कमल तिवारी, सुनील चौधरी, दिलीप नीमा आदि विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम बहुत ही यादगार और अविस्मरणीय रहा। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. भंडारी ने कहा कि आज का यह दिन मेरे जीवन का गौरवशाली दिन है। महान शिक्षाविद व मूर्धन्य साहित्यकार श्री हरिहर लहरी जी के नाम पर स्थापित यह सम्मान प्राप्त होना मेरे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। कार्यक्रम की सूत्रधार श्रीमती राजेश्वरी विजय जोशी थीं।

निगमायुक्त ने किया वार्ड 62 का निरीक्षण

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने मंगलवार की सुबह वार्ड क्रमांक 62 का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय में कर्मचारियों से बात की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधि के साथ चंदुपुरा एवं षिवपुरा गांव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गांवों में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के निर्देष अधिकारियों को दिए। निरीक्षण में अपर आयुक्त श्री मुनीश सिकरवार, उपायुक्त श्री रजनीश

गुप्ता स्वास्थ्य अधिकारी डा वैभव श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री श्री रामबाबू दिनकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने वार्ड क्रमांक 62 का निरीक्षण किया। वार्ड 61 स्थित चंदुपुरा गांव में निगमायुक्त को नालियां नहीं थी, जिसके कारण गंदा पानी सडक पर फैल रहा था। नगर निगम आयुक्त ने तत्काल नालियों के निर्माण के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही उन्होंने वहां पर सफाई व्यवस्था को और अधिक बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इसके बाद निगमायुक्त ने शिवपुरा गांव का निरीक्षण किया, वहां पर सडक पर गड्ढे मिले। निगमायुक्त ने तत्काल पेचवर्क कर सडक को ठीक कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 22 का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर कर्मचारियों की हाजिरी रजिस्टर चेक किया, साथ ही सम्पत्तिकर वसूली बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने शिवपुरा गांव में नदी की पुलिया को देखा तो क्षतिग्रस्त हो गई थी, निगमायुक्त ने पुलिया को ठीक करने के निर्देश दिए हैं।

वार्ड 62 में भवन आईडी बनाने के दिए निर्देश

वार्ड क्रमांक 62 में नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने भवनों की आईडी बनाने के निर्देश दिए हैं, जिससे प्रत्येक निवासी के पास उसकी आईडी हो और वह आसानी से सम्पत्ति कर जमा कर सके। निरीक्षण के दौरान मौजूद पार्षद ने इस बात पर सहमति जताई और इस कार्य में मदद करने का आश्वासन निगमायुक्त को दिया है।

गिरगांव महादेव का किया पूजन

निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी गिरगांव महादेव पर पहुंचे, वहां पर उन्होंने भोलेनाथ का पूजन अर्चना कर जलाभिषेक किया।

वीआरजी कॉलेज में विद्यार्थियों को सिखाए कबाड से जुगाड के तरीके

ग्वालियर, जीएनएस। ठोस अपशिष्ट नियम 2026 के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए वीआरजी कॉलेज में सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें नगर निगम के अपर आयुक्त श्री मुकेश बंसल, कार्यपालन यंत्री श्री शैलेंद्र सक्सेना, सहायक खेल अधिकारी सुश्री विजेता चौहान, कंसलटेंट देवेंद्र निम, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डॉ प्रियंवदा भसीन, श्री प्रमोद धनेले आदि ने विद्यार्थियों को कबाड से जुगाड एवं कचरा अलग-अलग करने के बारे में जानकारी दी।

सेमिनार को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री मुकेश बंसल ने विद्यार्थियों से चार प्रकार का कचरा अपने अपने घरों से ही अलग-अलग कर डोर टू डोर टिपर वाहन में देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि गीला, सूखा, विशेष देखभाल एवं सेनेटरी वेस्ट कचरे को अलग-अलग कर देने से जब यह कचरा कचरा ट्रांसफर पर पहुंचता है तो इसे अलग-अलग करने में बेहद आसानी रहती है, इससे निगम के संसाधन कम खर्च होते हैं, साथ ही कार्य भी जल्दी पूर्ण होता है। उन्होंने बताया कि गीले कचरे से केदारपुर लैण्डफिल साइड पर खाद बनाई जा रही है। जबकि सूखे कचरे का अन्य कार्यों में उपयोग किया जा रह है।

बल्क वेस्ट जनरेटरों को बनानी होगी कचरा निस्तारण इकाई

स्वच्छता कंसलटेंट देवेंद्र निम ने ठोस अपशिष्ट नियम 2026 के नियमों के बारे में बताते हुए कहा कि नए नियमों के तहत अब कॉलेज भी बल्क वेस्ट जनरेटरों की कैटेगरी में शामिल हो गए हैं, जिसके कारण अब कॉलेजों में गीले कचरे से खाद बनाने की इकाई लगाई जानी है। उन्होंने गीले कचरे से खाद कैसे तैयार की जाए, इसके बारे में जानकारी दी।

कबाड़ से कैसे बनाए जुगाड

स्वच्छता कंसलटेंट देवेंद्र निम एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डॉ प्रियंवदा भसीन ने सेमिनार में आरआरआर के तहत कबाड से जुगाड बनाने के तरीके विद्यार्थियों को बताए। उन्होंने कहा कि जितना हम कचरे का उपयोग करेंगे उतना ही कचरा कम होगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में आरआरआर के उपयोग के अलग से अंक निर्धारित हैं।

धीमी प्रगति पर क्षेत्राधिकारी 11 एवं 16 को कारण बताओ नोटिस के निर्देश

31 अक्टूबर तक हर हाल में पूरा करें समग्र ई-केवायसी सत्यापन: निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी

ग्वालियर, जीएनएस। नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने समग्र ई-केवायसी सत्यापन कार्य की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए क्षेत्र क्रमांक 11 एवं 16 के क्षेत्र अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी क्षेत्र अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 31 अक्टूबर 2026 तक हर हाल में समग्र ई-केवायसी सत्यापन का कार्य पूर्ण किया जाए।

निगम मुख्यालय में आयोजित समय-सीमा बैठक में निगमायुक्त श्री चौधरी ने विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अपर आयुक्त श्री टी. प्रतीक राव, श्री प्रदीप तोमर, श्री मुनीश सिंह सिकरवार, अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा, उपायुक्त श्री सुनील चौहान, डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, श्री उत्तम जखैनिया, श्री मुकेश बंसल सहित अधीक्षण यंत्री, कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं संबंधित विभाग अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्य स्वच्छता अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव ने बैठक में बताया कि शहर के ब्लैक स्पॉट समाप्त करने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में प्रति सप्ताह 10-10 ब्लैक स्पॉट समाप्त किए जाएं। संबंधित जोनल स्वास्थ्य अधिकारी यह

सुनिश्चित करें कि सफाई के बाद उन स्थानों पर दोबारा कचरा न डले। यदि दोबारा कचरा डाला जाता है तो संबंधित के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही वार्ड क्रमांक 30 एवं कटोराताल क्षेत्र में विशेष अभियान चलाकर कचरे के ढिये साफ कराने के निर्देश दिए गए।

सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता से पेच रिपेयरिंग कार्य की जानकारी लेते हुए निगमायुक्त को बताया गया कि एक सप्ताह में 59 सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का कार्य कराया गया है।

संपत्तिकर वसूली की समीक्षा में एक सप्ताह के 5 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 1 करोड़ 98 लाख रुपये की वसूली होने पर निगमायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को अगले सप्ताह 5 करोड़ रुपये का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने बकायादारों की सूची तैयार कर योजनाबद्ध तरीके से वसूली की कार्रवाई करने को कहा।

जलकर वसूली की समीक्षा के दौरान एक सप्ताह के 2 करोड़ रुपये के लक्ष्य के विरुद्ध 36 लाख रुपये की वसूली होने पर निगमायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने सभी सहायक यंत्रियों एवं उपयंत्रियों को प्रत्येक वार्ड में 100 बड़े बकायादारों से जलकर वसूली का लक्ष्य दिया। साथ ही सभी क्षेत्रों में अवैध नल कनेक्शनों को वैध कराने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।बैठक में संबल पंजीयन, संबल अनुग्रह सहायता, भवन संनिर्माण सहायता एवं पंजीयन से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। निगमायुक्त ने सभी लंबित प्रकरणों पर समय-सीमा में कार्रवाई करने तथा 7 दिवस से अधिक लंबित आवेदनों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए।

हर सप्ताह 100 नए ट्रेड लाइसेंस बनाने का लक्ष्य

राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने नवीन ट्रेड लाइसेंस की जानकारी ली तथा प्रति सप्ताह 100 नए ट्रेड लाइसेंस बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। इसके साथ ही 30 दिवस से अधिक समय से लंबित संपत्तिकर नामांतरण प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

स्पॉट फाइन से वसूले 31,950 रुपये

स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई स्पॉट फाइन कार्रवाई की जानकारी देते हुए मुख्य स्वच्छता अधिकारी ने बताया कि एक सप्ताह में खुले में कचरा फेंकने, गोबर फैलाने, कचरा जलाने एवं अमानक पॉलीथिन के उपयोग के मामलों में 31,950 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

स्वच्छता संबंधी शिकायतों का 2 दिन में हो निराकरण

निगमायुक्त श्री अभिषेक चौधरी ने स्वच्छ ग्वालियर ऐप एवं स्वच्छता ऐप पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि हर शिकायत का निराकरण अधिकतम 2 दिवस में सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता से सीधे जुड़ी समस्याओं के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा संबंधित अधिकारी प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करें।

गंदगी करने वालों पर कार्रवाई के अपर आयुक्त ने दिए निर्देश

ग्वालियर, जीएनएस। शहर की सफाई व्यवस्था को परखने के लिए नगर निगम के अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्हें सिटी सेंटर एवं थीम रोड पर गंदगी मिली। अपर आयुक्त ने गंदगी साफ करने के निर्देष अधिकारियों को दिए, साथ ही गंदगी करने वालों पर सख्ती के साथ चालानी कार्रवाई के निर्देष दिए गए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री मुकेष बंसल, कार्यपालन अधिकारी श्री पवन शर्मा, सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने सिटी सेंटर में एयरटेल ऑफिस के पीछे निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्हें पार्किंग एवं खाली भूखण्ड में गंदगी के ढेर मिले। निगमायुक्त ने तत्काल अधिकारियों को फटकार लगाई और सफाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आईईसी टीम एवं आमजनों के साथ स्वच्छता एक्टिविटि करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को कड़े लहजे में चेतावनी देते हुए निर्देश दिए हैं कि गंदगी करने वाले

दुकानदारों एवं निवासियों पर चालान की कार्रवाई की जाए। इसके बाद अपर आयुक्त ने कटोराताल स्थित थीम रोड का निरीक्षण किया। थीम रोड पर बनी चौपाटी के ठेलेवालों द्वारा मौके पर काफी जगह गंदगी की गई थी, साथ ही कचरा भी जलाया जा रहा था, इस पर अपर आयुक्त ने स्वच्छता अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और दुकानदारों पर जुर्मानें के निर्देश दिए।

सिटी सेंटर पर शिवाजी पार्क के पीछे लंबे समय से अधूरी पड़ी साडा की इमारत नगर निगम के हैण्डओवर कर दी गई है। इस इमारत को नगर निगम द्वारा संरक्षित कर इसमें आईईसी टीम की एक्टिविटी का केंद्र बनाने पर विचार किया जा रहा है। इससे पहले इस इमारत को तैयार कराया जाएगा। वर्तमान में इमारत अधूरी पड़ी हुई है।

पौधे लगाने एवं बैठने की जगह पर भर दिया कचरा

थीम रोड पर स्मार्ट सिटी द्वारा पौधे लगाने के लिए मार्बल के पॉइंट बनाए हैं, लेकिन यहां पर आमजनों एवं दुकानदारों ने कचरा भर दिया, अपर आयुक्त ने स्वच्छता एक्टिविटी के जरिए इसे साफ कराने के निर्देश दिए हैं।

आरओ युक्त प्याउ का किया निरीक्षण

अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव ने थाटीपुर में नवनिर्मित आरओ युक्त प्लाउ का निरीक्षण किया। साथ ही अधिकारियों को प्याउ को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

सफलता की कहानी: फूप निवासी मोहिनी बनीं गृहणी से सफल उद्यमी

आयल मिल से हो रहा 2 लाख रुपए शुद्ध लाभ, 4 व्यक्तियों को मिला रोजगार

भिण्ड, जीएनएस। भिण्ड जिले की फूप निवासी श्रीमती मोहिनी गौतम ने यह सिद्ध कर दिया है कि सही अवसर और शासन की सहायता मिले तो एक गृहणी भी सफल उद्यमी बन सकती है। उनकी आर्थिक समृद्धि का आधार बनी है प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना जिससे उनके आयल मिल व्यवसाय को विस्तार मिला है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के अलावा वे फूप की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा भी बन गई हैं।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के तहत मध्यप्रदेश ग्रामीण बैंक, फूप द्वारा श्रीमती मोहिनी को 2 लाख 45 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। इस सहायता से उन्होंने सरसों तेल प्रसंस्करण इकाई 'जय हनुमान ट्रेडर्स' का विस्तार किया। आज उनकी इकाई में एक्सपेलर, फिल्टर और मोटर जैसी आधुनिक मशीनों से शुद्ध सरसों के तेल का उत्पादन किया जा रहा है। मशीनों की प्रतिदिन 18 से 20 क्विंटल तक सरसों

पिराई की क्षमता है। पिराई के बाद निकले खलीध्नीना का पशु आहार के रूप में विक्रय किया जाता है। इस इकाई से श्रीमती मोहिनी का शुद्ध लाभ लगभग 2 लाख रुपये तक पहुँच गया है और उन्होंने 4 स्थानीय व्यक्तियों को रोजगार भी दिया है।

श्रीमती मोहिनी कहती हैं कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। श्रीमती मोहिनी अपनी आमदनी से अपने तीन बच्चों को श्रेष्ठ शिक्षा देना चाहती हैं जिससे उनके सुरक्षित भविष्य का निर्माण हो सके। शासकीय सहायता से उनके जीवन में आए इस सकारात्मक बदलाव के लिए वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार मानती हैं।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के अंतर्गत खाद्य प्रसंस्करण इकाई की स्थापना पर अधिकतम 10 लाख रुपए की सीमा तक 35 प्रतिशत अनुदान और 3 प्रतिशत ब्याज माफी का प्रावधान है। जिले के युवा, कृषक, और छोटे व्यवसायी व्यक्तिगत स्तर पर, तथा किसान उत्पाद संगठन, स्वसहायता समूह और उत्पादक सहकारी समिति जिले के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग से संपर्क कर नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना अथवा मौजूदा इकाइयों के उन्नयन के लिए योजना अंतर्गत वित्तीय और तकनीकी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भाषण प्रतियोगिता हुई आयोजित

'मेरे सपनों का भारत' विषय पर गत दिवस हुई थी रंगोली प्रतियोगिता

भिण्ड, जीएनएस। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें संस्था के छात्रछात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्रछात्राओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, युवा ऊर्जा, डिजिटल भारत, विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत सहित सपनों का भारत का वर्णन किया।

इसी प्रकार सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत गत दिवस शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भिण्ड में ष्मेरे सपनों का भारतष् विषय पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें संस्था के छात्रछात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए छात्राओं को आवश्यक सामग्री संस्था से निःशुल्क उपलब्ध कराई गई।

छात्रछात्राओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री जनधन योजना, डिजिटल भारत, विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत सहित भारत के भविष्य की तस्वीर का खूबसूरत चित्रण किया। प्रतियोगिता का आरम्भ संस्था के प्राचार्य बी.डी. पुरोहित द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में संस्था के श्री आशीष शर्मा वरिष्ठ व्याख्याता, श्रीमती प्रियंका चौहान, श्रीमती हेमलता परिहार, श्री बृजेन्द्र बाजपेई, श्री पृथ्वीराज सिंह सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

यंग लीडर्स डायलॉग युवाओं को दी गई माय भारत पंजीयन की जानकारी

भिण्ड, जीएनएस। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के तहत 2047 के राष्ट्र निर्माण में युवाओं की सक्रिय सहभागिता पर जोर दिया गया भिण्ड के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय में विकसित भारत के अंतर्गत जागरूकता एवं संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को युवा नेतृत्व राष्ट्र निर्माण विकसित भारत के संकल्प में भूमिका की जानकारी दी गई है।

कार्यक्रम संचालनालय खेल और युवा कल्याण विभाग भोपाल व पुलिस अधीक्षक भिण्ड और जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी भिण्ड श्री अजीम खान के मार्गदर्शन में जिला खेल प्रशिक्षक (कराटे) संजय पंकज, खेलो इंडिया स्माल सेंटर रोइंग बलराम सोनी, युवा समन्वयक भिण्ड साधना तोमर के सहयोग से विद्यार्थियों से संवाद करते हुए विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग क्विज प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों की जानकारी युवाओं को दी। कार्यक्रम के दौरान महिला थाना प्रभारी श्रीमती वंदना शाक्य एवं स्कूल स्टाफ उपस्थित रहा।

विद्यार्थियों को माय भारत पोर्टल पर कैसे पंजीयन किया जाता है इस संबंध में खेलो इंडिया स्माल सेंटर रोइंग के प्रशिक्षक बलराम सोनी के द्वारा बताया गया एवं उसकी प्रक्रिया समझाई गई एवं पोर्टल पर अधिक से अधिक पंजीयन कर गतिविधियों में भाग लेने के लिए युवा समन्वयक भिण्ड साधना तोमर के द्वारा प्रेरित किया गया है। विभागीय निर्देशानुसार 15 से 29 वर्ग आयु वर्ग के युवाओं को भी वीबीवाईएलडी 2027 में अधिक से अधिक सहभागी बनने पर जोर दिया गया है।

कार्यक्रम के माध्यम से बताया गया कि कराटे क्लास सुबह 6 बजे से 9 बजे तक एवं शाम को 4 बजे से 7 बजे तक जीवाजी क्लब भिण्ड में संचालित होती है और इसी प्रकार खेलो इंडिया स्माल सेंटर भी इसी समय में संचालित होता है, जिसमें अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं आएं और प्रशिक्षण प्राप्त करें कार्यक्रम में शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या विद्यालय भिण्ड के प्राचार्य सत्यराम दौरिया एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ तथा बड़ी संख्या में युवा कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नागरिक सुविधाओं का सहज प्रदाय और सुलभ प्रशासन है प्रशासनिक पुनर्गठन का उद्देश्यरू अध्यक्ष श्री मिश्रा

मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की जिला स्तरीय बैठक में प्रशासनिक पुनर्गठन पर विस्तृत चर्चा

भिण्ड, जीएनएस। मध्यप्रदेश प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष श्री एसएन मिश्रा ने कहा कि प्रशासनिक पुनर्गठन का उद्देश्य नागरिकों को सुलभ एवं जनोन्मुखी प्रशासन उपलब्ध कराना है। प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन एवं युक्तियुक्तकरण से प्रशासनिक कार्यों की दक्षता बढ़ेगी, जनसुविधाएं सुदृढ़ होंगी और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उन्होंने बताया कि पुनर्गठन आयोग वर्ष 2047 की आवश्यकताओं पर केंद्रित नागरिक सुविधाओं के सहज प्रदाय और सुलभ प्रशासन के उद्देश्य से प्रशासनिक इकाइयों के युक्तियुक्तकरण की अनुशंसा करता है। यह परिसीमन आयोग से भिन्न है क्योंकि परिसीमन आयोग केंद्रीय अधिनियम से शासित होता है जो जनसंख्या आधारित सीमाओं को परिभाषित करता है। अध्यक्ष श्री मिश्रा कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे।

अध्यक्ष श्री मिश्रा ने बताया कि पुनर्गठन आयोग के चार मुख्य कार्यक्षेत्र हैं। आयोग भौगोलिक परिस्थिति और जन,-अपेक्षाओं के आधार पर प्रशासनिक इकाइयों के पुनर्गठन के संबंध में अनुशंसा करता है। नवीन प्रशासनिक इकाइयों के गठन के संबंध में मार्गदर्शी सिद्धान्त तैयार करता है। प्रशासनिक सुधार के उद्देश्य से आयोग द्वारा पदीय संरचना एवं इनके युक्तियुक्तकरण तथा प्रशासनिक इकाइयों की दक्षता संवर्धन के लिए भी अनुशंसाएं की जाती हैं। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा भारतीय प्रबंध संस्थान और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के सहयोग से अन्य राज्यों की प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया जा रहा है।

अध्यक्ष श्री मिश्रा ने बताया कि आयोग की कार्यपद्धति प्रश्नावली आधारित है, जिसमें प्रशासनिक इकाई और प्रशासनिक अमला से संबंधित सुझाव आमंत्रित किए जाते हैं।

उन्होंने आयोग द्वारा तैयार किए गए प्रश्नावली के विभिन्न भागों तथा प्रपत्रों का विस्तृत परिचय दिया और हितधारकों द्वारा दिए जा रहे मत के सम्बन्ध में आयोग की अपेक्षाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिला, तहसील और जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रश्नावली भरकर जिला कलेक्टर को भेजी जाएंगी जो समस्त जानकारी संकलित कर आयोग को प्रेषित करेंगे। प्रस्ताव तैयार करते समय जनप्रतिनिधियों से भी राय ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक बुद्धिमता से तैयार प्रस्तावों के बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं और आयोग द्वारा प्रयास किया जा रहा है कि भविष्य में नागरिकों और शासकीय सेवकों को आज की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़े।

आयोग के सचिव श्री अक्षय कुमार सिंह ने कहा कि आज पूर्ण आयोग की बैठक आयोजित की गई है, जिसके दो माह पश्चात फॉलो अप बैठक आयोजित की जाएगी जिसमें केवल सचिव उपस्थित होंगे।

उन्होंने कहा कि शासकीय सेवकों को सुझाव देने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाएगा, जो आगामी 4 माह तक सक्रिय रहेगा। उन्होंने बताया कि आयोग की वेबसाइट ूउचनतब.उच.हवअ.पद पर भी सुझाव दिए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक आयोग ने 48 जिलों का भ्रमण कर लिया है। जिला कलेक्टर श्री किरोड़ी लाल मीना ने बताया कि नागरिकों की अपेक्षा के अनुरूप सेवा प्रदाय नहीं होने से असंतोष होता है। वर्तमान में नागरिकों की अपेक्षाएं भी बढ़ गई है।

कार्यालय कलेक्टर, (खनिज शाखा) जिला शिवपुरी (म.प्र.)
E-mail modgmshi@mp.gov.in

पत्र क्रमांक 1956/3-6/खनि/क्यू.एल. 607/2026 शिवपुरी, दिनांक 28.09.2026

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 18(1-क) (दो) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक फार्चुनकोर माईन्स एण्ड मिनरल्स पन्ना आटा चक्की के पास वार्ड नं. 16 लुधावली शिवपुरी म.प्र. द्वारा जिला शिवपुरी की तहसील करैरा के ग्राम टोडा पिछोर की शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 351 रकवा 4.00 हैक्टेयर क्षेत्र पर एम. सैण्ड खनिज का उत्खनिपट्टा हेतु आवेदन पत्र दिनांक 23/09/2026 प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त (शासकीय भूमि) के निम्नानुसार क्षेत्र पर उत्खनिपट्टा प्राप्त करने एवं दावा/आपत्ति हेतु दिनांक 27/10/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन प्रस्तुत पत्र ऑनलाईन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई-खनिज पोर्टल https://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किए जाएँगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम/कस्बा	सर्वे क्रमांक	कुल रकबा हे. में	आवेदित रकवा हे. में	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
शिवपुरी	करैरा	टोडा पिछोर	351	20.470	4.00	शासकीय	एम. सैण्ड	

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के सम्बन्ध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाईन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जायेगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

खनि अधिकारी
जिला शिवपुरी (म.प्र.)

G-19216/26

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने सेवाकाल की ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण को सराहा, सामाजिक कार्यों से जुड़ने की दी सलाह

सेवानिवृत्त पांच पुलिसकर्मियों को दी विदाई, प्रमाण पत्र व स्मृति चिह्न भेंट

ग्वालियर जीएनएस

पुलिस विभाग ग्वालियर से बुधवार को सेवानिवृत्त हुए पांच पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारियों के सम्मान में पुलिस कंट्रोल रूम ग्वालियर के सभागार में विदाई समारोह आयोजित किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराज कुबेर ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्मानित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में सूबेदार प्रेम सिंह राठौर सहित कार्यालयीन स्टाफ, सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और उनके परिजन मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयराज कुबेर ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग से सेवानिवृत्ति के बाद भी उनकी सेवाएं, अनुभव और अनुशासन समाज के लिए प्रेरणास्रोत बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस सेवा की लंबी यात्रा में

परिवार के सदस्यों का सहयोग, त्याग और समर्पण भी महत्वपूर्ण रहा है। परिवार ने हर परिस्थिति में पुलिसकर्मियों का साथ देकर उनकी जिम्मेदारियों को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों से उनके सेवाकाल के अनुभव भी साझा किए। उन्होंने पुलिस सेवा के दौरान आने वाली चुनौतियों और कार्य अनुभवों के बारे में जानकारी ली। साथ ही सेवानिवृत्ति के बाद की दिनचर्या और भविष्य की योजनाओं के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सलाह दी कि वे स्वयं को सामाजिक कार्यों में व्यस्त रखें। इससे पुलिस सेवा के दौरान बनी व्यस्त दिनचर्या में अचानक आए बदलाव को सहजता से अपनाने में मदद मिलेगी और समाज के साथ उनका जुड़ाव भी बना रहेगा।

कार्यक्रम के समापन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान किए। उन्होंने सभी के स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ये हुए सेवानिवृत्त : बुधवार को उप निरीक्षक (अ) हेमलता सिकरवार, सहायक उप निरीक्षक शिव कुमार जोशी, सहायक उप निरीक्षक महेन्द्र सिंह सेंगर, सहायक उप निरीक्षक किशन लाल श्रीवास तथा प्रधान आरक्षक हरीशंकर शर्मा पुलिस विभाग की सेवा से सेवानिवृत्त हुए।

आंगन मिलन कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

ग्वालियर जीएनएस

महिला एवं बाल विकास विभाग परियोजना ग्वालियर की ओर से ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा के वार्ड क्रमांक 66 स्थित ग्राम बड़ौरी के आंगनबाड़ी केंद्र पर आंगन मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती रमा देवी गुर्जर ने की।

कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका का पौधा और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर केंद्र में गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं को खानपान और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य अतिथि ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने महिलाओं से अपने स्वास्थ्य और बच्चों के पोषण पर विशेष ध्यान देने की अपील की।

आंगनबाड़ी सहायिका ने कार्यक्रम की रूपरेखा और आंगन मिलन कार्यक्रम के महत्व की जानकारी दी। सहायिका गीता देवी गुर्जर ने सभी महिलाओं से भविष्य में भी सक्रियता के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए आभार व्यक्त किया।

करह धाम, शनिचरा, बटेश्वर, मितावली और पदावली पहुंचे, धार्मिक स्थलों के दर्शन कर लौटे

प्रभात फेरी के राम भक्तों ने किया सुखमय महा भ्रमण

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर महानगर में नियमित रूप से निकलने वाली संगीतमय प्रभात फेरी के राम भक्तों ने बीते दिवस 'सुखमय महा भ्रमण' किया। प्रभात फेरी प्रमुख उदयभान रजक ने बताया कि ईश्वर की कृपा से यह धार्मिक भ्रमण पूरी तरह सुखमय रहा। भ्रमण की शुरुआत करह धाम पहुंचकर प्रभात फेरी निकालने और धाम की परिक्रमा से हुई।

करह धाम में महामंडलेश्वर एवं पीठाधीश्वर स्वामी दीनबंधु जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वामी जी महाराज ने सभी राम भक्तों को पीले रंग के सीताराम नाम अंकित अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इसके बाद राम भक्तों ने पूजनीय बाई महाराज के

दर्शन किए। करह धाम महाराज की ओर से सभी के लिए प्रसादी की व्यवस्था भी की गई।

इसके बाद प्रभात फेरी का दल शनिचरा पहुंचा, जहां शनि महाराज के दर्शन किए। यहां से सभी राम भक्त भजन गाते हुए बटेश्वर धाम पहुंचे। बटेश्वर धाम में दर्शन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह और खुशी का माहौल रहा।

महा भ्रमण का अगला पड़ाव मितावली रहा। यहां स्थित 64 योगिनी शिव मंदिर की अद्भुत स्थापत्य कला देखकर राम भक्त आश्चर्यचकित रह गए। मंदिर की कलाकृति और ऐतिहासिक स्वरूप ने सभी को प्रभावित किया। श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

इसके बाद प्रभात फेरी के राम भक्त पदावली पहुंचे। यहां स्थित प्राचीन महलों की कलाकृति और स्थापत्य शैली का अवलोकन किया। धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन के बाद सभी श्रद्धालु दो बसों से ग्वालियर के गोल पहाड़िया पहुंचे और रात करीब 8.30 बजे अपने घर लौटे।

प्रभात फेरी प्रमुख उदयभान रजक ने बताया कि इस महा भ्रमण में 65 मातृशक्तियों और 15 बच्चों सहित बड़ी संख्या में राम भक्त शामिल हुए। आयोजन में कल्लू रजक, संतोष बंसल, शिवराम साहू, छिंगाराम चौरसिया, सतीश शाक्यवार, बेनी प्रसाद चौरसिया, परशुराम राठौर, अजय राठौर, विवेक पाल एवं सरजू देवी राठौर सहित अन्य की सहभागिता रही।

विश्व हृदय दिवस पर महावीर भवन में लगा नि:शुल्क हृदय रोग परामर्श शिविर

ग्वालियर जीएनएस

विश्व हृदय दिवस के अवसर पर महावीर भवन, कंपू में पूज्य सिंध हिन्दू जनरल पंचायत ग्रेटर ग्वालियर एवं आर.जे.एन. अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल के संयुक्त तत्वाधान में विशाल नि:शुल्क हृदय रोग परामर्श शिविर आयोजित किया गया। शिविर में लोगों ने स्वास्थ्य जांच एवं हृदय रोग से संबंधित चिकित्सकीय परामर्श का लाभ लिया। कार्यक्रम में ग्वालियर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सुधीर गुप्ता सहित विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठजन मौजूद रहे।

एनएसएस नेतृत्व एवं प्रशिक्षण शिविर में प्रकृति, युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास पर हुआ विचार-विमर्श

वन केवल भौतिक संपदा नहीं, मनोवैज्ञानिक संपदा भी : मीना

ग्वालियर जीएनएस

जीवाजी विश्वविद्यालय में आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) नेतृत्व एवं प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन पर्यावरण, व्यक्तित्व विकास, युवा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। दिन की शुरुआत प्रभात फेरी, योग-पीटी और परिसर में मानव श्रृंखला बनाकर चलाए गए स्वच्छता अभियान से हुई। इसके बाद बौद्धिक सत्र में विशेषज्ञों ने स्वयंसेवकों को प्रकृति और मानवीय चेतना के संबंध से लेकर तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग तक विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन दिया।

शिविर संचालक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना, जीवाजी विश्वविद्यालय के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. हरिशंकर सिंह कंसाना के निर्देशन में सत्र का संचालन डॉ. हिन्दू सिंह धाकड़ ने किया। मुख्य वक्ता ग्वालियर वन मंडल अधिकारी अवधेश कुमार मीना ने कहा कि वनों को केवल राजस्व, काष्ठ या भौतिक संपदा के रूप में देखना प्रकृति के महत्व को सीमित करना है। वन वास्तव में अमूल्य मनोवैज्ञानिक संपदा भी हैं।

हरियाली और प्राकृतिक वातावरण मनुष्य के अवचेतन को शांत करते हैं, सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि तनावपूर्ण जीवनशैली में वनों की यह भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा ने कहा कि एनएसएस केवल गतिविधियों तक सीमित मंच नहीं, बल्कि युवाओं में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने विद्यार्थी हित और प्रशासनिक दक्षता के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि डॉ. रविकांत द्विवेदी ने भारतीय दर्शन में व्यक्तित्व विकास विषय पर पंचकोश सिद्धांत के माध्यम से आत्म-परिष्कार और प्रभावी संप्रेषण के सूत्र बताए। केआरजी कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. वासुदेव सिंह जादौन ने युवा और सामाजिक माध्यम विषय पर विचार रखते हुए युवाओं से तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा डिजिटल दुनिया के केवल उपभोक्ता न बनें, बल्कि तकनीक को राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाएं।

कार्यक्रम में अतिथियों का पटका, बैज और श्रीफल भेंट कर प्रो. हीरालाल पटेल, डॉ. विनोद कुशवाह और डॉ. नरेंद्र कुमार वर्मा ने स्वागत किया। समापन पर डॉ. विनोद कुशवाह ने अतिथियों, प्राध्यापकों और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक रामकिशन तायल 'फौजी' ने श्रमसाधना प्रिन्टर्स, भगवती निवास पारखजी का बाड़ा दौलतगंज, ग्वालियर से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक : महेश तायल समाचार चयन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत अधिकृत
e.mail- Shramsadhnagwl@gmail.com ph. 0751-2625029, 98270 17078, 9425007142 समाचार पत्र में प्रकाशित सभी आलेखों में लेखकों के अपने विचार हैं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर होगा।